चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 148 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
21 नवंबर 2024 गुरुवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

अफसरों को 2236 करोड़ की रिश्वत का आरोप, अडानी के खिलाफ वारंट!

मुंबई. एजेंसी

अरबपति भारतीय कारोबारी और अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी को अमेरिका से एक बड़ा झटका लगा है। उनकी कंपनी पर निवेशकों के साथ धोखाधड़ी करने और एक सोलर एनर्जी कॉन्ट्रेक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को हजारों करोड़ रुपये की रिश्वत देने का आरोप लगाया गया है और गिरफ्तारी वारंट भी जारी होने की खबरें हैं। मामला अडानी ग्रीन एनर्जी और अन्य फर्म से जुड़ा हुआ है। इस खबर के आते ही आज भारतीय शेयर बाजार में कोहराम मच गया और अडानी की सभी कंपनियों के शेयर क्रैश हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका में गौतम अडानी और उनकी कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी पर गंभीर आरोप हैं। इसमें दावा है कि वर्ष 2020 से 2024 के बीच अडानी ग्रीन और एज्यूर पावर ग्लोबल को ये सोलर प्रोजेक्ट दिलाने के लिए गलत रूट से भारतीय अधिकारियों को रिश्वत दी गई। अडानी पर यूएस में उनकी कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी को प्रोजेक्ट के लिए कॉन्ट्रैक्ट दिलाने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2236 करोड़ रुपये) की रिश्वत देने और इसे छिपाने का आरोप लगाया गया है। इस कॉन्ट्रेक्ट के जरिए 20 साल में दो अरब डॉलर से ज्यादा मुनाफे का अनुमान लगाया गया था और इसका लाभ लेने के लिए झूठे दावे करते हुए लोन और बॉन्ड्स जुटाए गए। हिंडनबर्ग के असर से उबर चुके गौतम अडानी के लिए ये एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इस खबर के आते ही अडानी ग्रुप की शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में भूचाल आ गया है। सभी शेयर बुरी तरह टूटें हैं। सबसे ज्यादा गिरावट ग्रीन एनर्जी के शेयरों में आई, जो 20 फीसदी तक फिसल गए। इसके अलावा अडानी पावर, अडानी पोर्ट, विल्मर, टोटल गैस, एसीसी, अंबुजा सीमेंट के शेयर भी दस फीसद से अधिक फिसले हैं।

भारतीय बाजार धड़ाम

शेयर बाजार में इस खबर से भूचाल है। सेंसेक्स व निफ्टी ओपन होने के साथ ही धड़ाम हो गए हैं। सेंसेक्स तो लाल निशान पर खुला और कुछ ही मिनटों में 400 अंकों को गोता लगा गया। बाद में गिरावट 600 अंक पार कर गई। फिटी 124 अंक फिसलकर 23,383 के लेवल पर आ गया।

अमेरिकी कोर्ट में मामला दर्ज
भारतीय शेयर बाजार में आया *भूचाल*
अडानी के शेयर ही *20 फीसद* गिरे

कांग्रेस ने कहा-बचाया जा रहा

कांग्रेस ने आज कहा- अब अमेरिका में अडानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। अजीब बात है कि कांग्रेस लगातार अडानी और इससे जुड़े घपलों की जांच की बात कह रही है, लेकिन नरेंद्र मोदी पूरी ताकत से अडानी को बचाने में लगे हैं। वजह साफ है- अडानी की जांच होगी तो हर कड़ी नरेंद्र मोदी से जुड़ेगी। अडानी के खिलाफ वारंट का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने भी संयुक्त संसदीय समिति की जांच की बात कही है। कांग्रेस के हमलों पर बीजेपी ने पलटवार किया है. बीजेपी नेता अमित मालवीय ने कहा, आरोप लगाने से पहले पढ़ लेना चाहिए. अनावश्यक उत्साहित होने की जरूरत नहीं है।

अडानी ग्रीन ने दी कैफियत

अडानी ग्रुप ने बयान जारी किया है कि अमेरिकी न्याय विभाग और एसईसी ने हमारे बोर्ड के सदस्यों गौतम अडानी और सागर अडानी के खिलाफ न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने एक अभियोग जारी किया है। घटनाक्रमों के मद्देनजर, हमारी सहायक कंपनियों ने फिलहाल प्रस्तावित यूएसडी नामित बॉन्ड पेशकशों के साथ आगे नहीं बढ़ने का फैसला किया है। उधर ब्लूमबर्ग के मुताबिक, अमेरिका से लगे आरोपों के बाद अडानी ग्रुपकी कंपनियों ने 600 मिलियन डॉलर के बॉन्ड को रद्द कर दिया है।

पीएम मोदी को मिला आर्डर ऑफ एक्सीलेंस

नई दिल्ली. एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुयाना में संसद के विशेष सत्र को संबोधित कर रहे हैं। इसीके साथ यह 14वीं बार होगा, जब पीएम मोदी विदेश में किसी संसद को संबोधित करेंगे। किसी भारतीय प्रधानमंत्री के लिए यह रिकॉर्ड है। इससे पहले गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली ने जॉर्जटाउन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि भारत के 140 करोड़ लोगों का सम्मान है। मोदी के अलावा पूर्व पीएम मनमोहन सिंह इस तरह विदेश में 7 बार संसद को संबोधित कर चुके हैं।

हिमाचल के बाद राजस्थान का भवन कुर्की का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी की एक अदालत ने राजस्थान में नोखा नगर पालिका के स्वामित्व वाले बीकानेर हाउस को कुर्क करने का आदेश दिया है। राजस्थान की नोखा नगर पालिका और एनवायरो इन्फ्रा इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच विवाद के बाद हुए समझौते का पालन नहीं करने पर कोर्ट ने यह आदेश दिया। दरअसल, कोर्ट ने नोखा नपा को 50.31 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया गया था। अब तक नपा ने भुगतान नहीं किया। अदालत ने नोखा नगर पालिका के प्रतिनिधि को अगली सुनवाई की तारीख 29 नवंबर को अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है किइससे पहले हिमाचल प्रदेश की हाईकोर्ट ने दिल्ली के मंडी हाउस में स्थित हिमाचल भवन की कुर्की का आदेश दिया था। अदालत ने सेली कंपनी को 64 करोड़ रुपए अपफ्रंट प्रीमियम अदा न करने पर हिमाचल भवन नई दिल्ली की संपत्ति अटैच करने के आदेश पारित किए।

पहली कार्यकारिणी की बैठक, नए पदाधिकारियों को बांटे जाएंगे काम

मप्र कांग्रेस के एक्शन प्लान पर मशक्कत हुई शुरू, दिग्गज दूर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र कांग्रेस की नवगठित कार्यकारिणी की पहली बैठक आज फीकी रही। इसमें कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, अरूण यादव, अजय सिंह और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार नहीं पहुंचे। यह दो दिनी बैठक कांग्रेस की मप्र में आगामी छह माह का रोडमैप तय करने के लिये बुलाई गई है। इसमें प्रभारी महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह भी हिस्सा ले रहे हैं। वहीं जितेंद्र सिंह ने कहा कि जो नेता आज नहीं आ सके हैं वे वीडियो कांफ्रेस से जुड़ेंगे, आजकल शादी का भी दौर है इसलिये कई लोग नहीं आ पा रहे हैं। पदाधिकारियों की बैठक में उनका कार्यविभाजन होगा। उनकी भूमिका तय की जाएंगी। आज सबसे पहले राजनीतिक मामलों की शीर्ष समिति की बैठक बुलाई गई इसके बाद कार्यसमिति की बैठक की बारी है। बताया जाता है कि संगठन के विस्तार, नई इकाइयों के गठन और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा इन बैठकों का मुख्य मुद्दा है। इसके बाद 12 बजे से कार्यसमिति के विशेष और स्थायी आमंत्रित सदस्यों के साथ प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष उनकी भूमिका को लेकर बात करेंगे। बताया जाता है कि पार्टी ने तय किया है कि कार्यसमिति में शामिल सभी नेताओं को जिलेवार जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इन्हें न केवल नियमित तौर पर दौरे करने होंगे, बल्कि उसका प्रतिवेदन भी प्रदेश कांग्रेस को देना होगा। अनुपस्थित नेताओं के बारे में बताया जा रहा है कि कमलनाथ छिंदवाडा से दिल्ली रवाना होचुके हैं। जबकि दिग्विजय संसदीय दल की बैठक के लिये दिल्ली में हैं। सिंघार की तबीयत खराब बताई जा रही है। अजय सिंह व अरूण यादव की भी दूरी से यह कयास हैं कि पार्टी के भीतर कार्यकारिणी के गठन के बाद सहज स्थिति नहीं है और कई वरिष्ठ नेता इससे नाखुश हैं।

मप्र की पहली मेडिसिटी उज्जैन में, सीएम ने किया भूमिपूजन

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज उज्जैन में मध्यप्रदेश की पहली मेडिसिटी एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की सौगात दे रहे हैं। इन कार्यों का वे भूमि-पूजन कर रहे हैं। चिकित्सा महाविद्यालय 550 बेड की क्षमता वाला होगा। इसमें 150 मेडिकल छात्रों को चिकित्सा शिक्षा प्रदान की जाएगी लगातार 24 घंटे आपातकाल सेवा देने वाले इस अस्पताल में जनरल और सुपर स्पेशिएलिटी ओपीडी भी होंगे। मेडिसिटी में सुपर स्पेशिएलिटी एवं मल्टी स्पेशिएलिटी अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर, फार्मेसी, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र, विभिन्न उपचार हेतु वेलनेस केन्द्र, आयुष अस्पताल, पैरामेडिकल कॉलेज, एकीकृत एवं समग्र स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा, इको-फ्रेंडली इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ाने की सुविधाएं होंगी। मुख्यमंत्री यादव चिकित्सा महाविद्यालय के भूमिपूजन के बाद टॉवर चौक पर भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण भी करेंगे।

मेट्रो एंकर मतदान के बाद महाराष्ट्र व झारखंड में सरकार के लिये दिल्ली में गुणाभाग का दौर

एग्जिट पोल के निष्कर्ष के बावजूद सियासी दलों को सता रहा वोटिंग पैटर्न का शोर

मुंबई/नईदिल्ली.एजेंसी

महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव का शोर अब मतदान के साथ ही थम चुका है लेकिन वोटिंग पैटर्न का दलों के अंदरखाने काफी शोर है। 23 नवंबर को वोटों की गिनती होगी और चुनाव नतीजे आएंगे लेकिन उससे पहले राजनीतिक दल अब विधानसभावार वोटिंग पैटर्न को लेकर समीक्षा बैठकें कर अपनी संभावनाओं की स्थिति टटोलने में जुटे हैं। एग्जिट पोल अनुमानों में महाराष्ट्र और झारखंड, दोनों ही राज्यों में भाजपा की अगुवाई वाले गठबंधन की सरकार बनने के अनुमान हैं लेकिन बात वोटिंग पैटर्न को लेकर भी हो रही है।

दरअसल, चुनाव विधानसभा के हों या लोकसभा के, हाई टर्नआउट को परिवर्तन का संकेत माना जाता है। महाराष्ट्र से लेकर झारखंड तक इस बार हाई टर्नआउट देखने को मिला है। हालांकि, कई बार हाई टर्नआउट के बावजूद सत्ताधारी दल सत्ता बचा ले जाते हैं। इसके पीछे कई फैक्टर काम करते हैं और जानकार भी तीन फीसदी तक मार्जिन ऑफ एरर लेकर चलते हैं यानि अगर मतदान प्रतिशत में तीन फीसदी तक का इजाफा होता है तो यह जरूरी नहीं कि मतदाताओं ने परिवर्तन के लिए ही वोट किया हो। 1999 से 2019, महाराष्ट्र का चुनावी अतीत भी यही बता रहा है।

टूटा 29 साल का रिकॉर्ड: दरअसल देर रात तक उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक महाराष्ट्र में 65 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ है। महाराष्ट्र में मतदान का ये आंकड़ा साल 1995 के बाद विधानसभा या लोकसभा, किसी भी चुनाव में सबसे अधिक है। 95 के महाराष्ट्र चुनाव में 71.7 फीसदी मतदान हुआ था लेकिन इसके बाद विधानसभा के चुनाव हों या लोकसभा के चुनाव, हर बार टर्नआउट कभी 65 का आंकड़ा भी नहीं छू पाया। 2019 के पिछले विधानसभा चुनाव की बात करें तो सूबे में 61.4 फीसदी वोटिंग हुई थी। 1999 में 60.9, साल 2004 में 63.4, साल 2009 में 59.6, 2014 के विधानसभा चुनाव में 63.3 और 2019 में 61.4 फीसदी मतदान हुआ था। इसी तरह लोकसभा चुनावों में हाल में महाराष्ट्र की सीटों पर 61.5 फीसदी मतदान हुआ। जबकि 96 में 52.4, 98 में 57.1 और 99 में 61 फीसदी मतदाताओं ने वोट डाले थे।

झारखंड में हाई टर्नआउट: झारखंड में भी कम चौंकाने वाली बातें नहीं हैं बल्कि यहां की 81 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में मतदान के पहले चरण की 43 विधानसभा सीटों पर 66.65 फीसदी मतदान हुआ था जो 2019 में हुए पिछले चुनाव के मुकाबले 2.9 फीसदी अधिक रहा। दूसरे चरण की 38 विधानसभा सीटों पर आंकड़ों के मुताबिक 68 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है। इन सीटों पर पिछले विधानसभा चुनाव में 66.9 फीसदी मतदान हुआ था। झारखंड चुनाव के दूसरे चरण की सीटों पर मतदान के मामले में जामताड़ा अव्वल रहा। जहां 77 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है।

सीएम के लिए भिड़ गए अघाडी नेता: महाराष्ट्र में वोटों की गिनती शनिवार को होगी, लेकिन इससे पहले ही महाविकास अघाड़ी के नेताओं में मुख्यमंत्री पद को लेकर आपसी बयानबाजी तेज हो गई है। जबकि एक्जिट पोल भाजपा महायुति की सरकार का संकेत कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि नई सरकार में सीएम कांग्रेस का होगा, तो वहीं गठबंधन के सहयोगी और शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने पटोले के बयान पर कहा कि हम नहीं मानेंगे, हम लोग बैठकर तय करेंगे। अगर नाना पटोले को राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, खरगे ने कहा हो कि आप सीएम बनेंगे तो उनको ऐलान करना चाहिए।

पिचाई ने ट्रंप को फोन किया तो गूगल का विरोध कर चुके मस्क कॉल से जुड़े!

वाशिंगटन. एजेंसी

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद से ही उनके करीबी नेताओं का सोशल मीडिया और सार्वजनिक स्तर पर वर्चस्व देखा जा रहा है। मगर ऐसा नाम जो कि राजनीति से सीधे तौर पर नहीं जुड़ा है, लेकिन मौजूदा समय में ट्रंप से जुड़े लगभग हर निर्णय में उनकी बड़ी भूमिका सामने आ रही है। यह नाम है अरबपति कारोबारी एलन मस्क का, जिन्हें ट्रंप लगभग अपने हर फैसले में शामिल कर रहे हैं। अब ताजा मामला गूगल सीईओ सुंदर पिचई की ट्रंप को की गई कॉल से जुड़ा है, जिसमें बीच में एलन मस्क की भी एंट्री हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में जब सुंदर पिचई ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को कमला हैरिस के खिलाफ जीत की बधाई देने के लिए फोन किया तो एलन मस्क भी इस कॉल से जुड़ गए। मजेदार बात यह है कि एलन मस्क खुद गूगल की कई मौकों पर आलोचना कर चुके हैं। चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने गूगल सर्च इंजन के नतीजों पर सवाल उठाए थे और कहा था कि ट्रंप से जुड़ी खबरों को सर्च करने के दौरान कमला हैरिस की खबरें ज्यादा दिख रही हैं।

मप्र के नये डीजीपी चयन के लिए आज दिल्ली में बैठक

नई दिल्ली/भोपाल। मप्र को नया पुलिस का नया मुखिया मिलने वाला है। इसको लेकर आज दिल्ली में यूपीएससी मुख्यालय में स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हो रही है। बैठक के बाद डीजीपी के लिये तीन नामों का पैनल बनाकर राज्य सरकार को भेजा जाएगा। इन्हीं तीन नामों में किसी एक को मुख्यमंत्री मोहन यादव हरी झंडी देंगे। दावेदारों में वरिष्ठता के अनुसार सबसे ऊपर 1988 बैच के आईपीएस व डीजी होमगार्ड अरविंद कुमार, इसी बैच के पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के चेयरमैन कैलाश मकवाना और 1989 बैच के डीजी ईओडब्ल्यू अजय शर्मा हैं। इन्हीं का नाम पैनल में आने की उम्मीद है।

वैक्यूम ब्रेक लगा, ट्रेन पटरी से उतरी

बेतिया। ट्रेन के दो बोगी और इंजन अचानक पटरी से उतर गया। यह ट्रेन आनंद बिहार से दरभंगा जा रही थी। यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। यह हादसा बगहा पुलिस जिले के हरिनगर स्टेशन के पास की है। बताया जाता है की ट्रेन आनंद बिहार से दरभंगा जा रही थी। हालांकि इस हादसे मे कोई हताहत नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने वैक्यूम ब्रेक लगाया था, जिसके कारण यह घटना हुई।

सड़क पर मवेशी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शहर में प्रशासन की लापरवाही के चलते सड़कों पर आवारा गायों का घूमना आम बात हो गई है. कई इलाकों में ये गायें ट्रैफिक जाम, एक्सीडेंट और आने-जाने में परेशानी का कारण बन रही हैं.

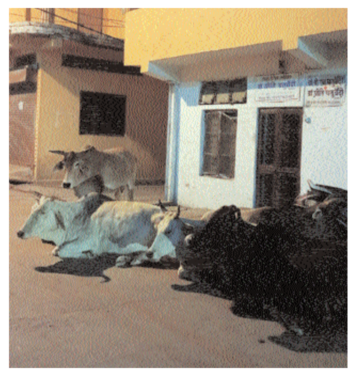

खाद के लिए कतार में लगे किसानों की समस्या समझने पहुंचे कलेक्टर

निजी कारोबारियों की मनमानी पर प्रशासन की नजरें

भोपाल, दोपहर मेट्रो। निजी कारोबारियों द्वारा खाद का भंडारण कर कालाबाजारी की शिकायतों के बाद प्रशासन मैदान में उतरा है। पिछले दिनों बैरसिया क्षेत्र में खाद की कालाबाजारी मिलने पर गौर कृषि सेवा केंद्र को सील कर दिया था। इसके बाद कल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह खुद मैदान में उताए आए। वह बैरसिया मंडी पहुंचे और खाद उपलब्धता की जानकारी ली। यहां खाद खरीदने के लिए लाइन में लगे किसानों से चर्चा की और उन्हें आश्वासन दिया कि वितरण में कोई धांधली नहीं होगी। उन्होंने किसानों को कुर्सियां उपलब्ध कराई और उनको चाय भी पिलवाई। इस दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराएं।

निरीक्षण के दौरान बैरसिया एसडीएम आशुतोष शर्मा, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने मंडी पहुंचकर खाद की वास्तविक स्थिति को जाना। यहां करीब 115 किसानों को टोकन देकर यूरिया खाद उपलब्ध कराई। उन्होंने मंडी में किसानों से बातचीत कर उनकी जरूरतों और समस्याओं को जाना। किसानों ने खाद की मांग और वितरण प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि खाद बिक्री में अनियमितता न हो और किसानों को समय उपलब्ध कराया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसान बिना किसी असुविधा के खाद प्राप्त कर सकें।

90 शिकायतों का किया समाधान

दरअसल, बैरसिया तहसील में लंबित राजस्व प्रकरण और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर सोमवार को कलेक्टर ने असंतोष जताया था। इससे एसडीएम द्वारा अधिकारी व कर्मचारियों के साथ मिलकर दो दिन में ही सामान्य प्रशासन और राजस्व विभाग की कुल 90 शिकायतों का निराकरण किया है। उन्होंने राजस्व महाभियान 3.0 की समीक्षा करते हुए तहसीलदार, आरआई, पटवारियों को निर्देश दिए कि लंबित नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, सीमांकन, परंपरागत रास्तों का चिह्नांकन, नक्शे में बटांकन, आधार से खसरे की लिंकिंग, पीएम किसान योजना का सेचुरेशन और स्वामित्व योजना के तहत चल रहे प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए। बैरसिया की ग्राम पंचायत जामूसर कलां के ग्राम भूरी पठार व सोहाय में कलेक्टर पहुंचे और उन्होंने हल्का पटवारी से राजस्व महा अभियान 3.0 के अंतर्गत संपादित किए जाने वाले ईकेवायसी, फार्मर रजिस्ट्री के कार्य का निरीक्षण किया।

कोहरे से ट्रेनें घंटों लेट, विजिबिलिटी कम होने से यातायात प्रभावित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सुबह के वक्त वातावरण में कोहरे के चलते एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। कोहरे की वजह से लंबी दूरी की ट्रेनें एक से डेढ़ घंटे तक देरी से चल रही हैं। उत्तर भारत में फिलहाल घना कोहरा नहीं हो रहा है। इसके चलते यूपी से आने वाली ट्रेनें समय पर भोपाल पहुंच रही हैं।

सुबह के वक्त घना कोहरा होने की वजह से राजा भोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दिल्ली और मुंबई की तरफ से आने वाली कई उड़ानों को इंदौर डाइवर्ट करने की स्थिति भी बनी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर और पायलट के बीच काफी देर तक रनवे पर विमान उतारने को लेकर संवाद जारी रहा। कई विमान को थोड़ी देर स्टैंड बाय पर रखने के बाद उन्हें रनवे पर आने की अनुमति जारी की गई। ज्ञात हो कि पिछले पांच दिन में 12 से ज्यादा विमान विजिबिलिटी कमजोर होने की वजह से देरी से भोपाल एयरपोर्ट पहुंचे जबकि इनमें से तीन को इंदौर एयरपोर्ट डाइवर्ट करना पड़ा है।

प्रकाशचंद की आंखों से मिलेगी नेत्र ज्योति

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

ईदगाह हिल्स, भोपाल निवासी प्रकाशचंद सावलानी (79) का निधन बुधवार को हो गया। दिवंगत प्राणी के पुत्र विनोद सावलानी ने अपने पिता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दी हैं, जो अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित की जाएंगी। बता दे सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2160 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

'संतान का प्रथम कर्तव्य माता-पिता की आज्ञा और उनकी सेवा'

सिंधी कम्युनिटी हॉल प्रभु नगर में श्री शिव महापुराण कथा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधी कम्युनिटी हॉल प्रभु नगर में चल रही श्री शिव महापुराण कथा का अनुष्ठान पूरा किया जा रहा है। कथा व्यास से संतनगर के कथा वाचक मुकेशजी को सुनने का मौका श्रद्धालुओं का मिल रहा है। कथा में मुकेश जी महाराज ने कहा की माता-पिता की सेवा करने से सभी तीर्थों का फल प्राप्त हो जाता है। कोई भी दान पुण्य माता-पिता की सेवा से बढ़कर नहीं होता। यदि माता-पिता की सेवा त्याग कर कथा में आना पड़े तो ऐसी कथा का भ्री त्याग करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार गणेशजी ने माता-पिता को प्रधानता देकर उनकी परिक्रमा करके और प्रथम पूज्य होने का वरदान पाया था, संतान का प्रथम कर्त्तव्य माता-पिता की आज्ञा और उनकी सेवा है। कथा राजेश सनमुखानी, पूजा सनमुखानी, हीरो हिंदू अध्यक्ष हीरो फैंस क्लब भोले का दरबार भाजपा नेता महेश खटवानी, संध्या प्रधान सीमा लालवान हीरो फैंस क्लब के महासचिव नानक दादलानी, रामचंद सबनानी, प्रभुदास मूलचंदानी व बड़ी संख्या में भक्त जन शामिल हुए।

वार्ड पांच में विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन किया पार्षद ने

जसलोक स्कूल के पास की गली, मैदान में विकास कार्य

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर के वार्ड पांच में जसलोक स्कूल के बगल वाली गली के रोड का सीमेंट कांक्रीट और स्कूल मैदान के टूटे हुए फर्श के निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया गया। पार्षद अशोक मारण ने निर्माण कार्य की शुरूआत की। मारण ने कहा स्कूल की बगल वाली गली खराब होने से कीचड़ रहता था, जिसके कारण बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। स्कूल का खेल मैदान भी उबड़ खाबड़ हो गया था। निर्माण कार्य होने के बाद दोनों समस्या का निदान हो जाएगा। मारण ने भरोसा दिलाया कि वार्ड की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निदान किया जाएगा। भूमिपूजन में स्कूल के

बच्चों के साथ प्राचार्य रामकुमार मेनोत्रा, पूर्व पार्षद नंदलाल मनवानी, कांग्रेस नेता राज मनवानी, पुरषोत्तम हरचंदानी, कांग्रेस प्रवक्ता महेश गुरबानी, प्रकाश विधानी व अन्य लोग मौजूद रहे।

स्टूडेंट्स कोचिंग का कहकर पहुंच रहे हुक्का लाउंच में

हिरदाराम नगर. बजरंग सेना समिति ने हुक्का लाउंच में स्टूडेंट्स की एंट्री पर रोक लगाने की अपेक्षा हुक्का लाउंच संचालकों से की है। एक बयान में समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी ने कहा कि कोचिंग क्लासेस जाने वाले स्टूडेंट्स हुक्का लाउंच में नशे के आदी हो रहे हैं। हुक्का लाउंज वालों को स्टूडेंस को एन्ट्री नहीं देनी चाहिए। उनसे उनके अभिभावकों का नंबर लेकर बात करना चाहिए। देवानी ने कहा कि हुक्का लाउंज में बेलगियम चाकलेट, पान, दुबई स्पेशल, स्प्रिंग वाटर, मेंगो, मिंट, केसर के फेलवर के युवा हुक्के गुडगुडा रहे हैं। इस मामले में समिति पहले भी ज्ञापन दे चुके है। कुछ समय के लिए हुक्का लाउंज बंद किये गये थे परन्तु फिर चालू करवा दिये गये। जगदीश सांवले ने बताया कि पहले 5-6 साल हुक्का लाउंज संतनगर में एक भी नहीं था जब से एक हुक्का लाउंज खुल गया तो धीरे धीरे हुक्का लाउंज सेंटर्स बढ़ गये हैं।

एआई के विकास और इंडस्ट्री 5.0 को आकार देने में निभाई परिवर्तनकारी भूमिका

संत कॉलेज प्राचार्या एवं प्रोफेसर ने शोध अध्याय एआई इन इंडस्ट्री 5.0 फोरमिंग बिजनस इन द् डिजिटल ऐज को स्प्रिंगर नेचर लिंक ने किया प्रकाशन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज को यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी, डॉ. मीनू टहिलयानी, और प्रो. मंजू देवनानी, कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक अध्याय प्रकाशित किया गया है। उनका शोध-कार्य एआई इन इंडस्ट्री 5.0 ट्रांसफोरमिंग बिजनस इन द् डिजिटल ऐज को स्प्रिंगर नेचर लिंक द्वारा प्रकाशित पुस्तक इंडस्ट्री 5.0 एण्ड एमेरजिंग टेक्नोलॉजीज में शामिल किया गया है। स्प्रिंगर नेचर लिंक वैज्ञानिक, तकनीकी और चिकित्सा शोध प्रकाशनों के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी है। यह अध्याय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एआई के विकास और इंडस्ट्री 5.0 को आकार देने में परिवर्तनकारी भूमिका पर केंद्रित है। इंडस्ट्री 5.0 एआई, ऑटोमेशन और मानव-केंद्रित दृष्टिकोणों के एकीकरण की विशेषता है। इस अध्याय में नई युग में व्यवसायों द्वारा अवसरों और चुनौतियों को कैसे मार्गदर्शित किया है, इसका गहन विश्लेषण किया है। बताया है कि एआई कैसे संचालन को फिर से परिभाषित करने, निर्णय को बेहतर बनाने और विभिन्न उद्योगों में नवाचार को बढ़ावा देने की क्षमता रखता है। प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने संस्थान में शोध-उन्मुख संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की और संकाय व छात्रों को अग्रणी अध्ययनों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

भौतिक प्रयोगशाला में उपकरणों के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण

10वीं व 12वीं के विद्यार्थी हुए प्रशिक्षण सत्र में शामिल

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय में स्कूल छात्राओं के लिए भौतिकी प्रयोगशाला उपकरणों में व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। सत्र की शुरूआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अनिल कुमार सिंह, भौतिक शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मणि शुगानी, शासकीय हायर सेकेण्डरी गर्ल्स स्कूल की भौतिक शास्त्र विभाग की व्याख्याता गायत्री जयसवाल एवं स्वाति सिंह, सहायक प्राध्यापक डॉ अनुपम सेलट ने की। डॉ अनुपम ने भौतिक विज्ञान क्षेत्र में रोजगार के अवसर पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राएँ इस विषय के साथ पीजी डिग्री प्राप्त कर के विभिन्न क्षेत्र जैसे शोध, मेडिकल फिजिक्स शिक्षा क्षेत्र एवं इण्ड्रस्टी? में अवसर प्राप्त कर सकते है। छात्रों को साईंस एवं टैक्नॉलोजी विषय के प्रति रूचि बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय वैज्ञानिक विक्रम साराभाई, डॉ सतीश धवन एवं चंद्रयान मिशन पर एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। द्वितीय सत्र में भौतिक शास्त्र की एचओडी डॉ मणि शुगानी एवं डॉ अनुपम सेलट द्वारा विभिन विषयों की जानकारी रखी। सत्र के अंत में स्कूल के छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट प्रदान किये गये।

आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के समग्र विकास का बड़ा कदम

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश की पहली मेडिसिटी एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, उज्जैन का भूमिपूजन

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

21 नवम्बर, 2024 | अपराह्न 2:00 बजे

सामाजिक न्याय परिसर उज्जैन, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D 11103/24

मेडिकल कॉलेज में सुविधाएं

- **550** बिस्तरीय शिक्षण अस्पताल
- **24x7** आपातकालीन सेवा
- **150** एम.बी.बी.एस. सीट की प्रवेश क्षमता
- जनरल एवं सुपर स्पेशलिटी ओपीडी

मेडिसिटी में सुविधाएं

- सुपर-स्पेशलिटी एवं मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल
- डायग्नोस्टिक सेंटर, फार्मेसी
- चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र
- विभिन्न उपचार हेतु वेलनेस केन्द्र
- आयुष अस्पताल
- पैरामेडिकल कॉलेज
- एकीकृत एवं समग्र स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा
- ईको-फ्रेंडली इंफ्रास्ट्रक्चर
- स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP #MediCityUjjain

देश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. म

संपादकीय

चर्चाओं का असर जरूरी

आज के दौर में दुनिया फिलहाल जिस तरह की उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है, उसमें ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में हुए जी20 के सम्मेलन की अपनी अहमियत है। विश्व के प्रभावशाली देशों के शीर्ष नेतृत्वों के जुटने पर एक आम उम्मीद यह होती है कि मौजूदा विश्व में जिस तरह की चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उसके संकट में तब्दील हो जाने की आशंका बन रही है, तो ऐसे में उनके हल के लिए एक ठोस निष्कर्ष सामने आए। मगर आमतौर पर होता यही है कि इस तरह की हर ऐसी बैठकों के बाद लिए गए संकल्प आने वाले वक्त में आधे-अधूरे या फिर उपेक्षित ही रह जाते हैं। सवाल है कि गंभीर समस्याओं का हल क्या अगंभीर या टालमटोल के अंदाज में निकल सकता है ! इस बार ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में वैश्विक स्तर पर चुनौती के रूप खड़ी परिस्थितियों पर चर्चा जरूर हुई, घोषणापत्र में नई राह निकालने को लेकर सामूहिक रूप से उम्मीद भी जताई गई। मगर समस्याओं का समाधान करने के लिए उन पर अमल की राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। गौरतलब है कि विश्व की बीस प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के नेताओं ने सोमवार को जारी एक संयुक्त घोषणापत्र में भुखमरी की चुनौती से पार पाने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समझौते की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही युद्धग्रस्त क्षेत्र गाजा में ज्यादा मदद पहुंचाने के अलावा पश्चिम एशिया के साथ-साथ यूक्रेन में भी युद्ध और शत्रुता को समाप्त करने का आह्वान किया गया। रियो डी जेनेरियो में जारी संयुक्त बयान को जी20 के ज्यादातर सदस्यों का समर्थन मिला। मगर अंतरराष्ट्रीय हित का सवाल होने के बावजूद बयान को सर्वसम्मति नहीं मिली। इसमें भविष्य में अरबपतियों पर वैश्विक कर लगाने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मौजूदा पांच स्थायी सदस्यों से अलग विस्तार करने की मांग के साथ सुधारों की बात भी कही गई। सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों की संख्या में विस्तार का सवाल भारत भी उठाता रहा है। मगर इस दिशा में अब तक सिर्फ बातें ज्यादा हुई हैं, कोई ठोस प्रगति जमीन पर उतरती नहीं दिखी। उम्मीद के मुताबिक, सम्मेलन में यूक्रेन से शत्रुता समाप्त करने पर जोर दिया गया। मगर यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध में अमेरिका का जो रुख है, उसके कायम रहते हुए क्या उम्मीद की जा सकती है? वहीं रूस भी युद्ध में अपने पक्ष को सिर्फ जवाब के तौर पर देखता है। इसी तरह, इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध में गाजा में कई हजार लोग मारे जा चुके हैं। मगर इजराइल के प्रति अमेरिका का नरम रुख जगजाहिर रहा है। ऐसे में सिर्फ आह्वान करने या सदिच्छा भर से युद्ध खत्म करने के हालात कैसे पैदा हो सकते हैं? यह छिपा नहीं है कि वैश्विक स्तर पर जारी संघर्षों की वजह से ही खाद्य, ईंधन और उर्वरक आदि का संकट पैदा हो रहा है और इससे सबसे ज्यादा विकासशील देश प्रभावित हैं। सम्मेलन में भारत ने यह मुद्दा जोर देकर उठाया भी। निश्चित रूप से मौजूदा विश्व में भुखमरी और युद्ध जैसे हालात विकास और उसकी सारी संभावनाओं को उल्टी दिशा की ओर मोड़ दे सकते हैं। इस लिहाज से प्रमुख अर्थव्यवस्था वाले देशों का इससे चिंतित होना स्वाभाविक है। मगर सवाल है कि संकट के हल का लक्ष्य हासिल करने के लिए क्या केवल चर्चा करना काफी हो सकता है? इसीलिये जरूरत इस बात की है कि समस्या को खत्म करने के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए स्पष्ट दिशा और रास्ते तय करके उस पर निर्णायक कदम आगे बढाए जाएं।

आव्रजन प्रतिबंधों से युवाओं के सपनों पर भी लगेगा ग्रहण

■ सुच्चा सिंह गिल

/ वर्ष 1990 के दशक के मध्य से भारत से विभिन्न देशों में जाकर काम करने वालों का प्रवासन बढ़ता चला गया, जिससे विदेशों में आप्रवासी भारतीयों की संख्या दुनियाभर में सबसे बड़ी बन गई। परिणामस्वरूप, भारत को मिलने वाली विदेशी मुद्रा में भी वृद्धि हुई और सर्वाधिक विदेशी धन प्राप्तकर्ताओं में से एक है। कनाडा की आव्रजन नीतियों में हुए हालिया बदलाव और संभवतः अमेरिका भी करेगा, का असर विशेष रूप से देश के उन राज्यों पर पड़ने की संभावना है, जहां से बड़ी संख्या में लोग वहां गए हुए हैं। इन सूबों में केरल, गुजरात, पंजाब और आंध्र प्रदेश शामिल हैं। भारत के उल्लेखनीय आर्थिक प्रदर्शन में उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण (1991) की भूमिका का जिक्र कई अर्थशास्त्रियों और वैश्विक संस्थानों द्वारा किया गया है। इस प्रयास में, आर्थिक नीति में परिवर्तनों के साथ जी-7 राष्ट्रों के साथ भारत के संबंधों का पुनर्गठन भी हुआ, जी-20 में भारत की भागीदारी से इसमें और विस्तार हुआ। इसने भारत को भारी मात्रा में विदेशी पूंजी निवेश आकर्षित करने के अलावा घरेलू बचत की उच्च दर एवं निवेश पाने में मदद की। पिछले साल दिल्ली में जी-20 की बैठक में चीन की 'बेल्ट एंड रोड पहल' परियोजना के विकल्प के रूप में मध्य-पूर्व देशों से होकर यूरोप तक रेल संपर्क बनाने का निर्णय लिया गया।

बड़ी संख्या में शिक्षित भारतीय कुशल और अर्ध-कुशल श्रमिकों को भी विदेशों में नौकरियां मिली हुई हैं। इसके चलते विदेशों में आप्रवासी भारतीयों क तादाद बढ़ती चली गयी, हाल के वर्षों में, दुनियाभर के आप्रवासी कामगारों द्वारा अपने घर भेजे जाने वाले पैसे के मामले में भारतीयों का योगदान सबसे ऊपर और बड़ा है। यह आर्थिक नीति और देश के अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार में संतुलन के कारण हुआ है। भारतीय आप्रवासियों की संख्या वर्ष 2000 में 79 लाख से बढ़कर 2023 में 1.89 करोड़ हो गई। वे अपने घर जो कमाई भेजते हैं, उससे परिवार की क्रय शक्ति बढ़ती है, साथ ही आवास और कारोबार में निवेश भी। भारत की विदेशी मुद्रा आय में उनका योगदान उल्लेखनीय है। भारतीय आप्रवासियों की सबसे बड़ी गिनती अमेरिका में (44.60 लाख) है। अमेरिका के चार करीबी सहयोगी मुल्कों में यह गिनती- ऑस्ट्रेलिया (4.96 लाख), कनाडा (16.89 लाख), न्यूजीलैंड (2.40 लाख) और यूके (17.64 लाख) है

जिससे इन सबमें कुल संख्या 86.49 लाख बनती है। यदि यूरोप गए आप्रवासियों को भी इसमें जोड़ दिया जाए तो यह गिनती 1.89 करोड़ हो जाती है। मध्य पूर्व के मुल्क एक और क्षेत्र हैं, जहां भारतीयों की उपस्थिति बहुत ज्यादा है। यूएई, सऊदी अरब, ओमान, कुवैत और कतर में 85.77 लाख भारतीय आप्रवासी हैं।

इन दोनों क्षेत्रों की आव्रजन नीति में एक बड़ा अंतर है। जहां पश्चिमी देश आप्रवासियों को स्थायी रूप से बसने और उन्हें नागरिकता प्रदान करने की अनुमति देते हैं वहीं खाड़ी देशों में यह इजाज़त नहीं है। लिहाजा आव्रजन के लिए पश्चिमी मुल्क पसंदीदा गंतव्य बन गए। 2023 में भारत को प्राप्त विदेशी मुद्रा प्रेषण में अमेरिका और उसके चार करीबी सहयोगियों का हिस्सा 35 प्रतिशत से अधिक रहा। प्राप्त कुल 120 बिलियन डॉलर में अकेले अमेरिका का योगदान 23 प्रतिशत रहा, उसके बाद यूके (6.8 प्रतिशत), कनाडा (2.4 प्रतिशत), ऑस्ट्रेलिया (1.9 प्रतिशत) और न्यूजीलैंड (एक प्रतिशत से भी कम) का हिस्सा रहा। यूरोप समेत पश्चिमी राष्ट्रों, का संयुक्त योगदान खाड़ी देशों से कुछ अधिक है, जिनकी कुल विदेशी मुद्रा आमद में हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है। इस प्रकार इन दोनों क्षेत्रों का संयुक्त योगदान 85 प्रतिशत से अधिक है। जिससे भारत को अपने भारी विदेशी व्यापार घाटे को पूरा करने में बड़े पैमाने पर मदद मिलती है। धन प्रेषण के राज्यवार आंकड़ों से पता चलता है कि सूची में केरल सबसे ऊपर है, उसके बाद महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु आते हैं।

विभिन्न देशों में बड़ी संख्या में पंजाबी आप्रवासियों के बावजूद, पंजाब अभी भी इन सूबों से पीछे है। यह इसलिए कि अधिकांश पंजाबी आप्रवासी यूके, कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों में केंद्रित हैं, जहां वे स्थायी रूप से बस गए हैं, लिहाजा समय के साथ उनके द्वारा घर भेजे जाने वाले धन का प्रवाह कम होता चला गया। चूंकि केरल के आप्रवासी ज्यादातर यूएई और अन्य अरब देशों में रहते हैं, जहां वे स्थायी रूप से नहीं बस सकते। जिसकी वजह से उनके द्वारा भेजा पैसा सबसे अधिक है।

अन्य देशों को आव्रजन भारत के शिक्षित और कुशल कर्मचारियों के बीच बेरोजगारी का बोझ कम करने में सहायक रहा है। भारत के आप्रवासी न केवल विदेशी मुद्रा आय का बहुत बड़ा स्रोत हैं, बल्कि विदेशों में भारतीय संस्कृति और सद्भावना को भी बढ़ावा देते हैं। वे विदेशों में परंपरागत वस्तुओं की मांग भी पैदा करते हैं।साल 1991 में उदारीकरण की नीति अपनाने के बाद, भारत अपनी घरेलू जरूरतों, अतिरिक्त उत्पाद एवं सेवाओं को विदेशों में निर्यात करने के अलावा अपने प्रशिक्षित कर्मचारियों के लिए रोजगार के मामले में भी विदेशी अर्थव्यवस्थाओं पर ज्यादा निर्भर होता चला गया। यही कारण है कि पश्चिमी देशों की आव्रजन नीतियों में बदलाव इसे गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। कनाडा की आव्रजन नीति में हाल ही में कई बदलाव हुए हैं जैसे मल्टीपल-एंट्री विजिटर वीजा खत्म करना। एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव है, स्थायी निवास यानी पीआर प्रावधान को लेकर। इससे पहले, जिन छात्रों ने अपनी डिग्री या डिप्लोमा पूरा कर लिया था, उन्हें अस्थायी वर्क परमिट मिल जाता था और कुछ समय बाद उन्हें पीआर यानी स्थाई निवास अनुमति मिल जाती थी। लेकिन इस प्रावधान के नियमों को अब कड़ा कर दिया गया है और बहुत सीमित संख्या में ही छात्रों को पीआर मिल पाएगा, बशर्ते उनके पास वह कौशल हों, जिनको लेकर कनाडा को अपने नागरिकों में भारी कमी का सामना करना पड़ रहा हो।

पिछले साल, कनाडा सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए एक शर्त के रूप में, विदेशी छात्रों की गुजारा-खर्च की अग्रिम जमा राशि को दोगुना कर दिया था। पीआर नियमों और वीजा नीति में बदलावों ने भारतीयों सहित बड़ी संख्या में विदेशी छात्रों के लिए अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद कनाडा छोड़ने के लिए मजबूर होने का खतरा पैदा कर दिया है।पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के छात्रों और श्रमिकों के लिए कनाडा एक पसंदीदा गंतव्य रहा है। साल 2023 में कनाडा में भारतीय छात्रों की संख्या 4.27 लाख थी, जिनमें से 1.47 लाख (41 प्रतिशत) पंजाब से थे। इसके अलावा, बड़ी संख्या में युवा पंजाबियों के पास अस्थायी निवास परमिट हैं जो समाप्त होने के कगार पर हैं। इनमें 1.5 लाख से अधिक पर निर्वासन की तलवार लटक गई है। इनमें कई युवा अपनी समस्याएं उजागर करने को कनाडा भर में प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन उनकी परेशानियों पर कोई भी ध्यान नहीं दे रहा।

हाल के अमेरिकी चुनाव ने डोनाल्ड ट्रम्प को सत्ता में वापस ला दिया है। वे 'अमेरिका फर्स्ट' के लिए प्रतिबद्ध हैं और आव्रजन नीतियों को कड़ा कर सकते हैं। इसी तरह के बदलाव के संकेत अन्य पश्चिमी देशों में भी दिख रहे हैं। जाहिर है, इस सबका प्रवासी भारतीयों और भारत भेजे जाने वाले धन पर गंभीर असर होगा। कनाडा में भारतीय छात्रों के भविष्य की रक्षा करने की तत्काल आवश्यकता है जो स्थायी तौर पर बसने की आकांक्षाओं के साथ वहां गए हैं। अगर बड़ी तादाद में उन्हें पंजाब लौटने के लिए मजबूर किया गया तो यह बड़ी समस्या होगी। पंजाब सरकार को व्यावहारिक समाधान के लिए तत्काल आधार पर इस मामले को केंद्र के समक्ष उठाने की जरूरत है।

(साभार : यह लेखक के विचार हैं)

समलैंगिक विवाह भारतीय संस्कृति पर कुठाराघात

■ विजय कुमार जैन

भारत की सर्वोच्च न्यायालय में वर्तमान में समलिंगिक विवाह को मान्यता देने के प्रकरण पर विचार चल रहा है। इस विषय पर समलिंगिक विवाह के पक्षधर लोगों द्वारा यह दलील दी जा रही है कि समलिंगिक लोगों को विवाह का अधिकार नहीं देना समानता के अधिकार का उल्लंघन है। विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अंतर्गत केवल महिला और पुरुष को एक दूसरे से विवाह के करने की स्वीकार्यता का प्रावधान है। मामले को न्यायालय में ले जाने वालों की दलील है कि इस प्रावधान का जैडर न्यूट्रल होना चाहिए। केंद्र सरकार का स्पष्ट कहना है कि ऐसा कोई अधिकार उसे विवाह की परिभाषा बदलने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। इस प्रकार की शादी को मान्यता दी गई तो समाज पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। इससे कई अन्य कानूनों के प्रावधान भी प्रभावित होंगे। सरकार के साथ ही समाज में भी बड़ा वर्ग है जो इस तरह के विवाह को मान्यता दिए जाने का विरोध कर रहा है। लगभग सभी का तर्क यही है कि इससे समाज में परिवार नाम की संस्था के अस्तित्व पर संकट आएगा। समाज का ढांचा प्रभावित होगा। उनका कहना है कि धार्मिक और सांस्कृतिक आधार पर भी समलिंगिक विवाह को स्वीकार्यता मिलना संभव नहीं है। अदालत में सुनवाई के साथ कई समूहों ने इसका विरोध करना भी शुरू कर दिया है। ऐसे में समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की स्थिति में आने वाले वैधानिक संकट और समाज पर इससे पड़ने वाले प्रभावों की पड़ताल हम सभी के लिए बड़ा मुद्दा है।

भारत में प्राचीन परंपरा व्यक्ति के जीवन से मृत्यु तक सोलह संस्कारों की रही है। सोलह संस्कारों में शुभ विवाह को पाणिग्रहण संस्कार कहा जाता है। लगभग सभी समाजों में युवक एवं युवती की जन्म कुंडली गृह नक्षत्रों के मिलान कर ही शुभ विवाह करने का प्रावधान है।

जैन दर्शन के मर्मज्ञ एवं सुप्रसिद्ध वरिष्ठ अभिभाषण विनय कुमार जैन निवासी गुना ने समलिंगिक विवाह की मांग पर अपने मुखर विचार व्यक्त किये हैं आपका कहना है जैन दर्शन में धारणा, ध्यान और समाधि के माध्यम से संसार के भव भ्रमण का नाश करते हुए मोक्ष पद की प्राप्ति करना ही व्यक्ति के जीवन

का अंतिम लक्ष्य माना गया है। और इसके लिए सर्वोत्तम साधन अविवाहित रहते हुए ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना है।लेकिन यदि किन्हीं परिस्थितियों के कारण व्यक्ति को अविवाहित रहना संभव न हो और उसे विवाह करना आवश्यक ही हो तो वह अपने वैवाहिक जीवन में एकनिष्ठ रहते हुए मुक्तिपथ का अनुगामी हो सकता है । जैन दर्शन में और भारतीय संस्कृति में वैवाहिक जीवन को गृहस्थाश्रम कहा गया है। इस अवस्था को गृहस्थ धर्म का पालन करना भी कहा गया है। विवाह का अर्थ काम- वासना में लिप्त हो जाना नहीं है, अपितु संयम की साधना करते हुए वंशवृद्धि के लिए उत्तम संतान को जन्म देना भी है, इस संतान को श्रेष्ठ संस्कार देना भी गृहस्थ धर्म का एक दायित्व है। जिससे वह संतान आगे चलकर धर्म वृद्धि करते हुए स्वयं का और अन्य जीवों का कल्याण कर सके। इस प्रकार स्थूल रूप में कहें तो वैवाहिक जीवन सदाचार को बढ़ावा देने के लिए वंश, समाज और धर्म की वृद्धि के लिए है तथा इसमें व्यभिचार का कोई स्थान नहीं है। इसके माध्यम से आदर्श सामाजिक जीवन जिया जाता है।

इन दिनों समलिंगिक विवाह को सामाजिक और विधिक मान्यता देने के लिए बहुत आग्रह किया जा रहे हैं। किंतु यह आग्रह प्रथम दृष्टया ही दुराग्रह प्रतीत होते हैं क्योंकि वैवाहिक जीवन जिसे गृहस्थ धर्म का पालन करने की संज्ञा दी गई है केवल और केवल विपरीत लिंगधारी अर्थात स्त्री- पुरुष के मध्य ही संभव हो सकता है। दो समलिंगिक परस्पर एक दूसरे के अच्छे मित्र हो सकते हैं, वे एक दूसरे के जीवन यापन में भौतिक उन्नति प्रदान करने के लिए सहायक हो सकते हैं। और ब्रह्मचर्यपूर्वक रहते हुए एक दूसरे को धर्म पथ पर अग्रसर रहने में सहायक हो सकते हैं। वे साथ-साथ रहकर भी अच्छे नागरिक बने रह सकते हैं। परंतु ऐसे साथ-साथ रहने को विवाह नाम के पवित्र गठबंधन का नाम नहीं दिया जा सकता है। समलिंगिक विवाह को सामाजिक और विधिक मान्यता दिलाने की मांग जीवन में उच्च नैतिक आदर्शों की स्थापना करने के लिए नहीं है अपितु व्यभिचार को सामाजिक मान्यता दिलाने का दुराग्रह मात्र ही है।

गृहस्थ धर्म का पालन करते हुए अपने वंश, धर्म और संस्कारों की रक्षा के लिए संतान उत्पत्ति का लक्ष्य भी समलिंगिक विवाह के द्वारा समाप्त ही हो जाएगा। अंग्रेजी शासन काल में लॉर्ड मैकाले ने गहन अध्ययन करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला था कि भारतीय संस्कृति में गुरुकुल पद्धति के माध्यम से शिक्षा और संस्कृति के जिन आदर्श संस्कारों का बीजारोपण करते हुए आदर्श नागरिकों का निर्माण किया जाता है, उन गुरुकुल को नष्ट किए बिना अंग्रेजी शासन को भारत वर्ष में बनाए रखना संभव नहीं है क्योंकि गुरूकुल की शिक्षा प्रणाली जीवन में आत्मोन्नति के संस्कार देती है और यह संस्कार गुलामी के बंधन में बांधे रखने में बहुत बाधक हैं अतः अंग्रेजों ने हमारी शिक्षा पद्धति को आमूल चूल रूप से नष्ट किया और उसके दुष्परिणाम सामने आए। इसी प्रकार समलिंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग हमारे दर्शन और उच्च नैतिक जीवन के संस्कारों के हरे-भरे और घने वृक्ष की जड़ों पर प्रहार करने के समान है। ऐसी मांग के कुल्हाड़ों की धार को समय रहते ही नष्ट नहीं किया गया तो हमारे गृहस्थ धर्म को और उच्च नैतिक मापदंडों पर आधारित सामाजिक जीवन को शनैः शनैः नष्ट होने से कोई नहीं रोक सकेगा। दिल्ली उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एस एन ढींगरा का मत है समलिंगिक संबंध भारत में अपराध नहीं है हालांकि समाज इन्हें विवाहित जोड़े के रूप में न स्वीकारता है और ना ही ऐसे जोड़े को विवाहित जोड़ा कहने के योग्य मानता है। विवाह पति पत्नी के बीच की जिम्मेदारी है यह मानव जीवन का संस्कार है जो समाज को मजबूत करता है। श्री जयप्रकाश नारायण मिश्रा पी जी कॉलेज लखनऊ में समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर विनोद चंद्रा कहते हैं समलिंगिक विवाह को मान्यता जटिल मसला है एक ओर इस समुदाय के साथ समानता का तर्क है तो दूसरी ओर सामाजिक व्यवस्था। निस्संदेह इस दिशा में बहुत संभल कर ही किसी नतीजे पर पहुंचना होगा। वेनेशियन मेडिकल एसोसिएशन ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि समलिंगिक संबंध रखने वालों में एचआईवी एड्स का खतरा ज्यादा देखा गया है, इनमें नशे की लत, अवसाद, हेपेटाइटिस और यौन संचारित रोगों एसीडिटी के होने की आशंका भी ज्यादा देखी गई है। कुछ इस प्रकार के कैंसर का खतरा भी ऐसे लोगों में ज्यादा रहता है हालांकि एक वर्ग है जो ऐसी बहुत सी बीमारियों के लिए उन्हें समाज में स्वीकार्यता नहीं मिलने के कारण मानता है। सन 2008 में अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन ने समलिंगिकता और यौन इच्छा को लेकर कहा था इस बात को लेकर एक राय नहीं है कि यौन रुझान का कारण क्या है हालांकि कई शोध में पाया गया है कि आनुवंशिक एवं हार्मोन संबंधी कारण परवरिश सामाजिक एवं सांस्कृतिक माहौल से व्यक्ति की यौन इच्छा पर प्रभाव पड़ता है इसका कोई एक कारण नहीं है प्रकृति और परवरिश दोनों की ही इसमें भूमिका रहती है।

(साभार : लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार है)

जब तक शत्रु की दुर्बलता का पता न चल जाए, तब तक उसे मित्रता की दृष्टि से रखना चाहिए।

-चाणक्य

आज का इतिहास

- 1877- प्रसिद्ध वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन ने विश्व के सामने पहला फोनोग्राफ पेश किया।
- 1906- चीन ने अफीम के व्यापार पर रोक लगाई।
- 1921- प्रिंस ऑफ वेल्स (सम्राट एडवर्ड अष्टम) बॉंबे (अब मुंबई) पहुंचे और कांग्रेस ने देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया।
- 1947- आजादी के बाद देश में पहली बार डाक टिकट जारी किया गया।
- 1956- एक प्रस्ताव लाकर शिक्षक दिवस को स्वीकृति दी गई थी।
- 1962- भारत-चीन सीमा विवाद के दौरान चीन ने संघर्ष विराम का ऐलान किया।
- 1963- केरल के थुंबा क्षेत्र से रॉकेट छोड़ने के साथ ही भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरू हुआ।
- 1986- मध्य अफ्रीकी गणराज्य ने संविधान अंगीकार किया।
- 1999- चीन द्वारा अपने प्रथम मानव रहित अंतरिक्ष यान 'शेनझू' का प्रक्षेपण किया गया।
- 2001- संयुक्त राष्ट्र ने अफ़ग़ानिस्तान में अंतरिम प्रशासन के गठन का प्रस्ताव रखा।
- 2002- मुस्लिम लीग (कायदे आजम) के नेता जफ़रउल्ला ख़ान जमाली पाकिस्तान के प्रधानमंत्री निर्वाचित।
- 2005- श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने पूर्व प्रधानमंत्री रत्नसिरी विक्रमनायके को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया।
- 2006- भारत और चीन ने नागरिक परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में साझा सहयोग बढ़ाने का फैसला किया।
- 2007- पैप्सिको चैयरमैन इंदिरा नुई को अमेरिकी इंडियन बिजनेस काउंसिल के निदेशक मंडल में शामिल किया गया।

निशाना

ना लगाओ आग !

-कृष्णेन्द्र राय

हर तरफ़ है शांति ।
ना लगाओ आग ।।
जो हैं असली मुद्दे ।
रहे क्यों उससे भाग ।।
बेमतलब, बेवजह ।
आप रहे कुरेद ।।
देखकर जनमानस ये ।
करता व्यक्त खेद ।।
छोड़कर तकरार अब ।
राह सही अपनाओ ।।
उब गए हैं लोग ।
अब ना भय दिखाओ ।।
हो सही सलाह ।
लाओ ये बदलाव ।।
होगा तभी दूर ।
दिखता जो अभाव ।।

कृषि उपज मंडी में किसानों को 1000 टोकन वितरित

अब किसानों ने मक्का बेचने के लिए टोकन लेने लगाई लाइन

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में मक्का की फसल की पैदावार अच्छी होने के कारण किसानों के चेहरे खुश हैं तो वहीं सिवनी मालवा की उप नगरी बनापुरा कृषक मंडी में मक्का की बंपर आवक हो रही है। सिवनी मालवा क्षेत्र के अलावा आसपास के जिलों से भी मंडी में मक्का आ रही है हजारों ट्रैक्टर ट्रालियों से किसान अपनी मक्का की फसल बेचने के लिए मंडी प्रतिदिन आ रहे हैं। मंडी में अव्यवस्था ना हो इसके लिए मंडी प्रशासन ने मक्का की आने वाली ट्रैक्टर ट्रालियों को पहले टोकन प्रणाली लागू की गई है।

बानापुरा कृषि उपज मंडी में मक्का की आवक होने से पहले मंडी में व्यवस्थाएं बनाई गईं और टोकन व्यवस्था लागू की है जिससे किसानों को अपनी मक्का की उपज मंडी में लाकर बेचने में परेशान नहीं होना पड़ेगा। अब टोकन पर ही किसान बिक्री के लिए उपज लेकर आएगा।

एक दिन में 300 टोकन वालों को ही बुलाया जाएगा

बानापुरा कृषि उपज मंडी में टोकन लेने किसानों की भीड़ लगी रही और दोपहर 2 बजे तक मंडी में सूचना केंद्र पर करीब 1000 टोकन वितरित किए गए। टोकन व्यवस्था शुरू होने से किसानों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। टोकन के माध्यम से ही मक्का की खरीदी की जाएगी और एक दिन में 300 टोकन वालों को ही बुलाया जाएगा।

बानापुरा कृषि उपज मंडी समिति द्वारा नवंबर माह में मक्का बिक्री के लिये टोकन जारी करने समय तारीख और दिन स्थान निश्चित किया गया है। सूचना केंद्र पर दिनांक 19 नवंबर मंगलवार, 21 नवंबर गुरुवार, 25 नवंबर सोमवार, 27 नवंबर वुधवार और 29 नवंबर शुक्रवार को प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक मंडी प्रांगण में सूचना केंद्र पर टोकन का वितरण किया जाएगा।

उपज की बिक्री की तारीख का इंतजार करना होगा

किसानों ने बताया कि कुछ भी हो किसानों को तो लाईन में लगना ही होगा। टोकन व्यवस्था से मंडी प्रशासन को तो फायदा है परंतु रुपये की जरूरत वाले किसानों को टोकन लेने पहले लाईन में लगना होगा इसके बाद बिक्री की तारीख का इंतजार करना पड़ेगा। किसानों को परेशान तो होना ही है चाहे वह खाद पानी बिजली या उपज बिक्री की हो हर बार लाइन में लगना ही किसानों के लिए नीति सी बनती जा रही हैं।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

एचडीएफसी बैंक शाखा सिवनी मालवा द्वारा बुधवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नगर के जागरूक नागरिकों ने रक्तदान किया। इस दौरान बैंक के ब्रांच मैनेजर सिद्धार्थ टांक एवं ब्रांच ऑपरेशन मैनेजर अतुल बोरसे सभी दान दाताओं का आभार व्यक्त किया। रक्तदान टीम में जिला रेड क्रॉस सोसाइटी शेर सिंह बड़कुर , रक्त कोष जिला चिकित्सालय से पंकज शर्मा, धीरज मंडलोई, रवि यादव, सिवनी मालवा अस्पताल से बीएमओ डॉ जय सिंह कुशवाहा, डॉ वीरेन्द्र रघुवंशी , प्रिया पांडेय बीसीएम सहित पैरामेडिकल टीम सहित बैंक स्टॉफ उपस्थित रहे।

दिव्यांग दिवस पर कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं होंगी

सीहोर , दोपहर मेट्रो

इस वर्ष भी 3 दिसम्बर को विश्व दिव्यांग दिवस मनाया जायेगा। कलेक्टर प्रवीण सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को विश्व दिव्यांग दिवस के अंतर्गत विकास खण्ड स्तर एवं जिला स्तर पर दिव्यांगजनों के सामर्थ्य प्रदर्शन के लिए खेलकूद प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर के निर्देशानुसार 01 दिसम्बर को विकासखंड स्तर पर विश्व दिव्यांग दिवस के तहत अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत एथलेटिक्स, तैराकी, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, क्रिकेट, साईक्लिंग, हॉकी, फुटबाल, टेबल टेनिस, शतरंज, बॉलीवाल, 100 मीटर दौड, उची कूद, भाला फेंक, गोला फेंक, निबंध, चित्रकला रंगोली, फेन्सी ड्रेस, डांस आदि अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। प्रतियोगिता मे प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के प्रतिभागियों का चयन कर जिला स्तर के लिए चयनित प्रतिभागियों की सूची सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय को भेजी जाएगी। इसके पश्चात जिला स्तर पर 03 दिसंबर को प्रातः शासकीय चंद्रशेखर आजाद अग्रणी महाविद्यालय में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

कलेक्टर निर्देश दिए कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों कार्यक्रम के माध्यमों से दिव्यांगजनों को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया जा सकता है जिसके लिए एकल नृत्य, सामूहिक गान, संगीत, नाट्य, फेन्सी ड्रेस आदि कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता आयोजित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सामर्थ्य प्रदर्शन के लिए दिव्यांगजनों द्वारा हस्तशिल्प की प्रदर्शनी लगवाई जाए जिसमें पेंटिंग, ड्रेस मेकिंग, ज्वेलरी मेकिंग, बांस की कलाकृति, कढ़ाई, चित्रकला, फोटोग्रफी आदि का प्रदर्शन किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला मुख्यालय पर 03 दिसम्बर को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाए। जिसमे ऐसे दिव्यांगजन जिनके यूडीआईडी प्रमाण पत्र नही बने हैं, यूडीआईडी बनाए जाएं। दिव्यांगजनों को पात्रता अनुसार कृत्रिम अंग सहायक उपकरण का वितरण किया जाये। दिव्यांगजनों को स्वरोजगार प्रदान करने के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जायें।

सिवनी मालवा में रोजगार मेले का हुआ समापन

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

506 युवक युवतियों में से 418 का किया गया चयन

कलेक्टर नर्मदापुरम के निर्देशानुसार एवं जिला रोजगार कार्यालय द्वारा शासकीय औ.प्र.संस्था सिवनी मालवा में रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. उमेश धुर्वे प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय द्वारा रोजगार मेले का शुभारंभ किया गया। जिसमें जिला रोजगार अधिकारी डॉ. ए.बी. खान एवं धर्मेश तिवारी द्वारा रोजगार मेला में विशेष अहम भुमिका रही वही प्राचार्य आई टी आई राजेश कुमार राठौर, रजत अग्रवाल, शिखर खंडेलवाल, खेमराज धाडसे टीपओ, विनय पटेल एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीओ की उपस्थित रहें में 506 युवा एवं युवतियों ने भाग लिया, जिसमें से 418 प्राथमिकता के साथ चयनित किया गया।

तेजज्ञान फाउंडेशन का रजत जयंती ध्यान महोत्सव 24 को

इटारसी। 'हैप्पी थॉट्स' के नाम से पहचानी जाने वाली तेज ज्ञान ग्लोबल फाउंडेशन, एक आध्यात्मिक सेवाभावी संस्था, अपनी स्थापना के रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर रही है। इस विशेष अवसर पर, फाउंडेशन द्वारा 24 नवंबर 2024 को शाम 5 बजे ईश्वर रेस्टोरेंट इटारसी में 'रजत जयंती ध्यान महोत्सव' (सिल्वर जुबली सेलिब्रेशन) का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक डॉ सीतासरन शर्मा करेंगे। तेजज्ञान फाउंडेशन के संस्थापक ने ध्यान और आध्यात्मिकता के महत्व को समझाकर लाखों लोगों के जीवन में आनंद और शांति का संचार किया है। तेजज्ञान फाउंडेशन द्वारा आयोजन यह महोत्सव ध्यान के माध्यम से विश्व में शांति और आनंद का प्रसार करने के उद्देश्य को एक नई दिशा देगा। इस महोत्सव में भाग लेने के लिए फाउंडेशन सभी साधकों, ध्यान प्रेमियों और नागरिकों को उत्साह पूर्वक आमंत्रित किया है।

बुधनी में मतगणना की तैयारियां पूर्ण

***112 मतगणना कर्मी संपन्न कराएंगे मतगणन**

सीहोर, दोपहर मेट्रो

बुधनी विधानसभा उप निर्वाचन-2024 की मतगणना शनिवार, 23 नवम्बर को सुबह 8 बजे से महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज सीहोर में आरंभ होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने जानकारी दी कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने बताया कि बुधनी विधानसभा उप चुनाव की मतगणना के लिए दो कक्षों में 14-14 टेबल लगाई गई हैं। पोस्टल बैलट की गिनती के लिए एक टेबल पृथक होगा। मतगणना का कार्य कुल 112 मतगणना कर्मी संपादित करेंगे। उन्होंने बताया कि मतगणना स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था होगी।

कलेक्टर ने जानकारी दी कि बुधनी विधानसभा उप निर्वाचन की मतगणना शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय सीहोर में होगी। विधानसभा क्षेत्र के 363 मतदान केन्द्रों में मतदाताओं द्वारा ईवीएम में डाले गये मतों की गणना के लिए 02 कक्षों में 14-14 टेबल्स लगाई जाएंगी। एक टेबल पोस्टल वेलेट की गिनती के लिए पृथक से लगाया जाएगा। मतगणना 13 राउंडस् में सम्पन्न कराई जाएगी।

त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था – मतगणना स्थल पर त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। केवल अधिकृत प्राधिकार पत्र प्राप्त व्यक्ति ही प्रवेश कर सकेंगे। कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति मतगणना सेंटर में प्रवेश नहीं कर सकेगा। मतगणना कर्मियों का त्रि-स्तरीय रेण्डमाईजेशन होगा।

नाम निर्देशन-पत्र 25 तक लिए जाएंगे

राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय और पंचायतों के रिक्त पदों के लिये उप-निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। मतदान 9 दिसंबर, 2024 को होगा। सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग ने जानकारी दी है कि निर्वाचन की सूचना के प्रकाशन के साथ ही नाम निर्देशन-पत्र लिये जाना शुरू और नाम निर्देशन-पत्र 25 नवम्बर तक लिये जायेंगे। नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा 26 नवम्बर को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 28 नवम्बर है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन होगा। मतदान नगरीय निकायों में सुबह 7 से शाम 5 बजे तक और पंचायतों में सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक होगा। मतगणना 12 दिसंबर को सुबह 9 बजे से होगी। पंच पद के लिये मतगणना मतदान केन्द्र पर ही मतदान समाप्ति के तुरंत बाद होगी। सरपंच पद के लिये मतगणना 13 दिसंबर को विकासखण्ड मुख्यालय पर सुबह 8 बजे से होगी।

जिला चिकित्सालय में सीबायटीबी टेस्ट शुरू

सीहोर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय के डायलिसिस सेंटर में सीबायटीबी टेस्ट का शुभारंभ किया गया। डॉक्टरों एवं विशेषज्ञों द्वारा डायलिसिस सेंटर में भर्ती मरीज का प्रथम सीबाएटीबी टेस्ट किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी दी कि सीबायटीबी टेस्ट एनसीडी में आने वाले मरीजों एवं डायलिसिस यूनिट में आने वाले मरीजों में त्वचा में छिपी हुई टीबी का पता लगाने के लिए किया जाता है।

वरिष्ठजनों के लिए है हेल्प लाइन नंबर 14567

सीहोर। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा वरिष्ठजन की सहायता के लिए प्रदेश में हेल्प एज इंडिया के माध्यम से हेल्प लाइन नंबर 14567 संचालित है। हेल्प लाइन पर इस वर्ष प्राप्त 13,923 कॉल पर सतत कार्यवाही की गई है। मई 2021 से शुरु हेल्प लाइन द्वारा वरिष्ठजनों विभिन्न सेवाओं, समस्याओं के निदान की जानकारी दी जाती है।

मेट्रो एंकर संतश्री श्री नामदेवजी महाराज की 754 वीं जयंती धूमधाम से मनाई

प्रतिभाएं हुईं सम्मानित, संभाग स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन होगा

इटारसी, दोपहर मेट्रो

संत नामदेव महाराज की 754 वीं जयंती पुरानी इटारसी में धूमधाम से मनाई गई।संत नामदेव चालीसा का पाठ कर पूजन आरती की गई। वहीं मंचासीन अतिथि संरक्षक लीलाधर नामदेव, डॉ. रामेश नामदेव, देवीलाल नामदेव, श्यामाचरण नामदेव, संगीता जनोरिया, राखी शरण का पुष्पहार से स्वागत किया गया।समाज के संरक्षक डॉ. रमेश नामदेव ने अपने विचार रखते हुए आयोजन की प्रशंसा की।

नामदेव विकास परिषद के अध्यक्ष देवेन्द्र जनोरिया ने कहा कि आगामी समय में समाज के सहयोग से नर्मदापुरम् में संभाग स्तरीय युवक युवती परिचय सम्मेलन हो इसके लिए प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने मंच से समाज की ओर से महिला मंडल सदस्यों को भजन प्रस्तुति के लिए स्पीकर व माईक सेट प्रदान करने की घोषणा की। नामदेव समाज विकास परिषद के सचिव रामचरण नामदेव ने कहा कि एक स्त्री शिक्षित होती है तो पूरी पीढी को शिक्षित करती है। नामदेव समाज महिला परिषद की कार्यकारी अध्यक्ष स्वर्णलता छेनिया ने भी मातृशक्ति की ज्यादा संख्या में सहभागिता पर प्रसन्नता जताई। वहीं उन्होंने सभी समाजजनों से निवेदन किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में समाज के कार्यक्रमों में सहभागिता करें।

नामदेव समाज युवा परिषद के अध्यक्ष राहुल शरण ने कहा कि कार्यक्रम में सबकी सहभागिता जरूरी है। इसलिए समाज के हर व्यक्ति को कार्यक्रम में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। युवा परिषद के सचिव अतुल नामदेव कहा कि नामदेव समाज का भव्य मंदिर बने इसके लिए जमीन की आवश्यकता है। इसके लिए प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े समाज के युवा आसपास के क्षेत्र में मंदिर के लिए जमीन तलाशें जिससे समाज के सहयोग से आगामी समय में समाज का मंदिर व सामुदायिक भवन बन सके।

कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष पूनमचंद नामदेव ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस दौरान उपाध्यक्ष गौहरपाल नामदेव, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश नामदेव, उपाध्यक्ष डॉ. अविनाश नामदेव, नामदेव महिला परिषद अध्यक्ष संगीता जनोरिया, सचिव राखी शरण, कार्यकारी अध्यक्ष स्वर्णलता छेनिया सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला पुरूष व बच्चे व वरिष्ठ सदस्य मौजूद थे।

उक्त जानकारी प्रवक्ता अमित नामदेव ने दी। कार्यक्रम के अंत में संत नामदेव जी की प्रसादी व 56 भोग का आयोजन भी किया गया जिसमें अनिल नामदेव व दुर्गा नामदेव का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान युवा परिषद अध्यक्ष राहुल शरण, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश नामदेव, सचिव अतुल नामदेव, प्रवक्ता अमित नामदेव, नामदेव समाज महिला परिषद अध्यक्ष संगीता जनोरिया, कार्यकारी अध्यक्ष स्वर्णलता छेनिया, राखी शरण, भारती नामदेव, मंजु नामदेव, दुर्गा नामदेव सहित सभी सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम में मंच से समाज के प्रतिभाशाली बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। विभिन्न नृत्य, कविता पाठ, चित्रकला के माध्यम बच्चों ने खूब तालियां बटोरी।

इस दौरान बोर्ड परीक्षाओं में अव्वल आने वाले बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया। वहीं इस दौरान समाज के कपिल सिंगारे ने स्वयं के जन्मदिन के अवसर पर समाज के लिए सहयोग राशि प्रदान कर नई परंपरा की शुरूआत की।

ये हुए पुरस्कृत

शिक्षा – कक्षा 10वीं में 94 प्रतिशत अंक अंजली नामदेव, 82 प्रतिशत वैष्णवी नामदेव, 87 प्रतिशत तनिष्का नामदेव, 59 प्रतिशत कृष्णा नामदेव, कक्षा 5वीं में 88 प्रतिशत अर्थव नामदेव, कक्षा 8 वीं 88 प्रतिशत अंक अजिर्त करने पर ऋषिका को पुरस्कृत किया गया।

खेलकूद प्रतियोगिता – केन्द्रीय विद्यालय के छात्र नेशनल हॉकी अंडर 14 प्रतियोगिता में सहभागिता कर मेडल प्राप्त करने वाले विनायक नामदेव, 68 स्कूल स्टेट हॉकी प्रतियोगिता में शामिल व सिल्वर मेडल विजेता वैष्णवी नामदेव को पुरस्कृत किया गया।

चित्रकला क्राफ्ट प्रतियोगिता– चित्रकला क्राफ्ट प्रतियोगिता में विनायक नामदेव, ऋषिका नामदेव, रूद्र नामदेव, परेश नामदेव, सृष्टि नामदेव को पुरस्कृत किया गया।

नृत्यकला प्रतियोगिता– नृत्यकला में आध्या शरण, तनिष्का नामदेव, सौम्या जनौरिया, दक्ष पवार नामदेव, प्रतिष्ठा नामदेव, आराध्य शरण, रीतिका नामदेव जनौरिया को पुरस्कृत किया गया।

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता–तेजस जनौरिया, राघव नामदेव, आद्या शरण को पुरस्कृत किया गया। वहीं विभिन्न विधाओं में अपनी प्रस्तुति देने वाले समाज के बच्चे समृद्धि नामदेव, अंकित, रीतिक जनौरिया, देवांश नामदेव, नंदिनी नामदेव, नमामि नामदेव, आराध्य नामदेव, दर्श नामदेव, तेजस नामदेव को भी पुरस्कृत किया गया।

विभिन्न शासकीय सेवाओं में कार्यक्रम व समाज को गौरवान्वित करने वाली महिला शक्ति में मीनाक्षी रामविलास मालवीय, प्रतिभा गौहरपाल नामदेव, ज्योति प्रशांत नामदेव, मुस्कान अभिषेक नामदेव और पुरूष वर्ग में गया प्रसाद नामदेव मेहरागांव, शैलेन्द्र नामदेव दीवान कॉलोनी का सम्मान किया गया।

कलेक्टर ने चखा उपमा और आटा बेसन की लप्सी, शिक्षकों की आईडी की पडताल

कलेक्टर ने हितग्राहियों से संवाद किया निर्माण कार्यों का भी लिया जायजा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को ग्यारसपुर विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामो में पहुंचकर हितग्राहीमूलक योजनाओं से लाभांवित होने वाले हितग्राहियों से चर्चा कर उनके जीवन में आए परिवर्तन को जाना है। उन्होंने भ्रमण के दौरान निर्माण कार्यो की गुणवत्ता का भी जायजा लिया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्रो, स्कूलों, छात्रावासो, आंगनबाडी केन्द्रो तथा उचित मूल्य दुकानो, खाद विक्रय केन्द्रो एवं गौशाला में पहुंचकर क्रियान्वित व्यवस्था का जायजा लिया है। स्थानीय नागरिकों को शासन की जनकल्याण हितैषी योजनाओं के लाभ प्राप्ति में कहीं कोई दिक्कत तो नही हो रही है कि जानकारियां उन्होंने संवाद के दौरान जानी है।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्यारसपुर में एफपीओ, भाग्योदय महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के महिला स्वसहायता समूह द्वारा दुग्ध संग्रह के संपादित किए जा रहे कार्यो से होने वाली आमदनी को रेखांकित किया है। समूह के सदस्यों से कहा कि वे स्वंय अपने ब्रांड की पैकिंग दूध का विक्रय ग्यारसपुर के क्षेत्र में करें ताकि हर घर समूह के माध्यम से दूध सुगमता से पहुंच सकें। उन्होंने दूध के साथ -साथ दूध से बनने वाले अन्य खाद्य पदार्थ की ओर भी समूह पहल करें। इस दौरान समूह के सदस्यों के द्वारा दूध संग्रह से लेकर विक्रय तक की सम्पूर्ण प्रक्रिया के संबंध में बिन्दुवार जानकारी से अवगत कराया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने हिम्मतपुर कालापाठा की कामधेनू गौ-शाला का भी अवलोकन किया। यहां उन्होंने पशुओं के लिए चारागाह बनाए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए है साथ ही बिजली और पानी की आपूर्ति के लिए किए जाने वाले प्रबंधो के संबंध में चर्चा की है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि उक्त गौ-शाला परिसर स्वच्छंद वातावरण में है अतः इसे माडल गौ-शाला के रूप में उन्नत करें। उन्होंने गौ-शाला की पथरीली भूमि को चारागाह के रूप में परर्णित करने के लिए तालाबो के गहरीकरण की मिट्टी लाकर यहां बिछाने की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। ग्राम पंचायत कोलुआजागीर के ग्राम दौलतपुर में संचालित की जा रही नंदनी गौ-शाला का भी जायजा लिया।

उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण – कलेक्टर श्री सिंह ने सोयाबीन उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम खिरियाजागीर के वाइट फील्ड वेयर हाउस एण्ड लॉजिस्टिक्स में उपार्जन कार्यो के क्रियान्वयन का जायजा लेते हुए सोयाबीन विक्रय करने हेतु आए किसानो से चर्चा की और उपार्जन प्रक्रिया तहत मुहैया कराई जा रही सुविधाओं की क्रास मानिटरिंग की है।

कन्या आश्रम शाला के बच्चो से संवाद – कलेक्टर श्री सिंह ने हैदरगढ में संचालित शासकीय आदिवासी कन्या प्राथमिक आश्रम शाला में पहुंचकर आश्रम के माध्यम से बच्चियों को प्रदाय की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया है। यहां उन्होंने रोशनदान और मच्छरों से बचाव के लिए जाली लगाने के निर्देश दिए है वहीं बच्चों को ठंड में गरम पानी सुगमता से मिल सके इसके लिए गीजर लगाने के प्रबंध सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है। उन्होंने सम्पूर्ण परिसर का भ्रमण कर सुरक्षा के दृष्टिकोण से किए जाने वाले प्रबंधो के संबंध में मौके पर मौजूद इंस्पेक्टर को आवश्यक निर्देश दिए है वहीं छात्रावास अधीक्षक से कहा है कि बच्चे घर से दूर रहे रहे है अतः वे किसी भी प्रकार से भयभीत ना हो का विशेष ध्यान रखें साथ ही उनके साथ मित्रवत संवाद बनाए ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की शारीरिक, मानसिक, शैक्षणिक व स्वास्थ्य संबंधी तकलीफ होने पर बेहिचक बता सकें।

बोर्ड परीक्षार्थियों का हौंसला अफजाई – कलेक्टर श्री सिंह ने हैदरगढ की शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हैदरगढ में पहुंचकर बोर्ड परीक्षा के परीक्षार्थियों से संवाद कर उनका हौंसला अफजाई करते हुए अध्ययन करने के तरीको को कैसे सुगम बनाए पर मार्गदर्शन दिया है। कलेक्टर श्री सिंह ने बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों से पहुंचकर उनसे सामान्य जानकारी हासिल की। बच्चो के द्वारा हाजिर जबाव दिए जाने से उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दी है।

शाला भवन प्रस्ताव तैयार कराने के निर्देश - कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने हैदरगढ के ग्राम नौरजा में पहुंचकर निर्माणाधीन आंगनबाडी भवन के कार्य का निरीक्षण किया। उक्त भवन 11 लाख 22 हजार की लागत से बनाया जा रहा है। भवन

हितग्राही के आवास निर्माण को देखा

कलेक्टर श्री सिंह ने हिम्मतपुर कालापाठा में पीएम जनमन योजना के तहत सहरिया जनजाति वर्ग के हितग्राहियों हेतु आवासो का निर्माण कार्य किया जा रहा है। उक्त हितग्राहियों से कलेक्टर श्री सिंह ने पहुंचकर जानकारियां प्राप्त की। यहां उन्होंने जनपद सीईओ को निर्देशित किया है कि 72 आवासो का निर्माण कराया जाना है अतः इसे कालोनी के रूप में विकसित करें ताकि दूर-दराज से भी यहां रहने वाले सहरिया जनजाति के आवासो को देखने के लिए आमजन ललायित हो। उन्होंने कहा कि कॉलोनी की तर्ज पर बनने वाले पीएम जनमन आवासो में तमाम सुविधाएं सुनिश्चित हो जिसमें मुख्य रूप से नल से घर में जल पहुंचाने, बिजली की आपूर्ति, पहुंच मार्गो का डामरीकरण व रोजगारमुंखी गतिविधियों का संचालन पीएम जनमन कालोनी में कर सकें के लिए भी प्लान अनुसार मूर्तरूप दिया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने आनंद सहरिया के द्वारा निर्माण कराए जा रहे पीएम जनमन आवास को देखा।

उचित मूल्य दुकान का भी जायजा लिया

कलेक्टरने कोलुआ धामनोद में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया। यहां कलेक्टर ने स्वंय अपने हाथो से राशनकार्ड धारकों को प्रदाय किए जाने वाले गेहूं और चावल की गुणवत्ता को परखा है। गेहूं में अत्यधिक मिट्टी व कंकर पाए जाने पर उन्होंने एसडीएम को जांच करने के निर्देश दिए है। वहीं मौके पर सेम्पल भी रखवाया गया है।

स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया

कलेक्टर श्री सिंह ने हैदरगढ के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का भी निरीक्षण किया। यहां डॉ नेन्सी अहिरवार ने स्वास्थ्य सुविधाओं से अवगत कराते हुए बताया कि समीपवर्ती 84 गांव के मरीजो का इलाज यहां किया जा रहा है। उक्त स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत छह उप स्वास्थ्य केन्द्र है उनके माध्यम से प्रदाय की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं को भी रेखांकित किया। उन्होंने पीएम के लिए रूम ना होने से अवगत कराते हुए शीघ्र ही उपलब्ध कराने का आव्हान किया है। हैदरगढ स्वास्थ्य केन्द्र में टेलीकन्सल्टेश की सुविधा से मरीजो का इलाज किया जा रहा है। इलाज की इस विधि को कलेक्टर ने अतिगंभीरता से लेते हुए मौके पर ही जाना कैसे इलाज करते है। मरीज को कैसे दिखाते है और क्या-क्या सुविधाएं दी जाती है। कक्ष में बेवकैमरे के माध्यम से मरीज की हिस्ट्री सीधे कम्यूनिकेशन के दौरान मौके पर मौजूद भोपाल एम्स के चिकित्सको से संवाद कर इलाज किया जा रहा है।

100 टन आया डीएपी डबल लॉक मिलेगा भरपूर खाद सोना समिति में भी मिलेगा

सिरोंज। रवि फसल की बोनी के लिए किसानों को अब डीएपी खाद के लिए नहीं मिल पाया 100 टन डीएपी खाद उपलब्ध हो गया है। जिसको आज से डबल लॉक मैं किसानों को जितनी आवश्यकता है उतना खाद दिया जाएगा गोदाम के अलावा सोना समिति में भी कृषकों को खाद मिलेगा। पिछले कई दिनों से डीएपी खाद नहीं मिलने से परेशान होकर किसान लगातार प्रदर्शन कर रहे थे। कई प्राइवेट दुकानदार इस बात का फायदा उठाकर अधिक दामों पर डीएपी खाद बेचकर कालाबाजारी भी हो रही थे शिकायत है सामने आने के बाद एसडीएम हर्षल चौधरी ने कालाबाजारी रोकने के लिए प्राइवेट दुकानों से तहसीलदार की मौजूदगी में खाद का वितरण करवाना शुरू कर दिया। सहकारी गोदाम पर 100 टन डीएपी खाद आ गया इस वजह से यहां पर खाद के लिए कोई परेशानी नहीं होगी। पिछले कुछ दिनों से किसान सुबह सात बजे से गोदाम पर खाद लेने के लिए उनकी लाइन लग जाती थी और किसानों को बगैर खाद के घर लौटना पड़ता था अब इनको मायूसी हाथ नहीं लगेगी। एसडीएम हर्षल चौधरी ने कहा कि100 टन खाद आ गया है किसानों भाई को डीएपी खाद डबल लॉक में मिलेगा सोना समिति में भी खाद आ गया है वहां से भी किसान खाद ले सकते हैं।

प्राइवेट दुकान पर तहसीलदार ने खड़े होकर बंटवाया डीएपी

सिरोंज। बुधवार को जैसे ही प्राइवेट दुकान पर डीएपी खाद आया तो उसका वितरण एसडीएम हर्षल चौधरी ने तहसीलदार संजय चौरसिया की उपस्थिति में डीएपी खाद का वितरण किसानो को करवाया तहसीलदार के खड़े होने से एक तो दुकानदार अपनी मर्जी नहीं चल पाय अधिक वसूली भी नहीं कर पाया यदि अधिकारी नहीं होते तो उक्त दुकानदार के द्वारा ज्यादा दामों पर खाद बेचकर अधिक पैसे वसूलने का काम भी किया जाता है। खाद देने में भी कृषकों को कई तरह खाद देने के दौरान परेशान भी किया जाता है वह ऐसा भी नहीं कर पाया।

14 व्यापारिक संगठनों ने सिरोंज को जिला बनाने के लिए सीएम के नाम एसडीएम को दिया ज्ञापन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

इस बार सिरोंज को जिला बनाने की मांग पूरी ताकत से चारों तरफ से उठ रही है। जिसको देखते ही ऐसा लग रहा है कि इस बार लोगो की बरसो पुरानी मांगा भी सरकार पूर्ण कर सकती है। क्योंकि मध्य प्रदेश पुनर्गठन आयोग द्वारा परिसीमन किया जा रहा है। इसमें संभाग के साथ जिले बढ़ाने की ज्यादा संभावनाएं हैं इसकी चर्चाएं भी पूरे प्रदेश में हो रही है तथा सिरोंज को जिला बनने का हक भी इस बार मिल सकता है। पिछले कुछ दिनों से ज्ञापनों का दौर जारी है। बुधवार व्यापारिक संगठनों ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीम हर्षल चौधरी देते हैं व्यापारियों ने कहा कि टोंक रियासत के समय भी सिरोंज जिला हुआ कर्ता था जिले की सभी संभावनाएं जिला वर्तमान में जिले तक पहुंचाने के लिए सिरोंज वासियों को 85 किलोमीटर तो दूर दराज के लोगों को जिले में पहुंचने में 150 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है जिला बनने के बाद यहां का व्यापार भी बढ़ जाएगा सभी को आसानी होगी विस्तार से उन्होंने जिला बनने के लिए कौन-कौन सी तहसील है शामिल होंगी और भौगोलिक जानकारी भी ज्ञापन में बताई। थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ अध्यक्ष समीर भार्गव ने कहा कि जिला बनना चाहिए और सारी संभावना है हमारी वर्ष पुरानी मांग और यहां पूर्ण होकर रहेगी। हमने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सिरोंज को जिला बनाने के लिए ज्ञापन दिया है ।, हालांकि राजनीतिक दलों द्वारा और अन्य समितियां जो जिले के लिए आंदोलन कर रहे है ,उनके द्वारा अनाज तिलहन व्यापार संघ को नजरअंदाज किया गया है उनको मैं बताना चाहता हूं बिना व्यापार संघ के समर्थन के कोई भी आंदोलन कर ले इसके कोई नतीजा नहीं निकलेंगे, इसके बावजूद हमने अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए पत्र दिया है। आगे भी अनाज तिलहन व्यापार संघ तन मन धन से जिला बनाने के लिए सबसे आगे रहेगा , में अन्य संगठनों से जो जिला बनाने में अग्रणी भूमिका में हैं उनसे आग्रह करूंगा मीटिंग रखकर भाषण बाजी बंद करें जिला बनाने के लिए प्रभावी कार्य योजना बनाएं जिससे सिरोंज जिला बन सकें। इस दौरान अर्पित मित्तल, कपिल गर्ग, राजेश जैन, प्रेमचंद जैन, गगन तरण, नारायण साहू, पप्पू साहू, मनीष जैन, रामू राठौर, नेतराम रघुवंशी, देवेंद्र साहू, रामकृष्ण साहू राजेन्द्र मंगल आदि मौजूद थे।

लटेरी में अवैध कॉलोनियों का मकड़जाल, स्थानीय प्रशासन मौन, कलेक्टर के आदेश की भी उड़ाई जा रही हैं धज्जियां

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

लटेरी नगर के चारों ओर अवैध कॉलोनियां सुरसा की तरह मुंह फैलाकर नगर को अपने आगोश में समाने को तत्पर दिखाई दे रही है। विना परमिशन के धड़ल्ले से कॉलोनियां काटी जा रहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की भोली भाली जनता को मूल भूत सुविधाओ के नाम पर उनकी खून पसीने की कमाई को लूटा जा रहा है।

नगर से लगी हुई कृषि भूमि का डायवर्सन कराकर कॉलोनी काटने का सिलसिला बे रोक टोक जारी है। इन कॉलोनियों में प्लाट खरीदने के लिए कोलोनाइजर ग्राहकों को कई तरह के प्रलोभन देते है। कॉलोनी को सर्व सुविधा युक्त बताकर प्लॉट बेंच देते है।जब कॉलोनी के सभी प्लॉट बिक जाते है तो कॉलोनाइजर रफूचक्कर हो जाते है। और इन कॉलोनियों में प्लाट खरीदकर मकान बना कर रहने वाले वाले लोग मूलभूत सुविधाओं को तरस जाते है। प्रदेश सरकार के नए ड्रॉफ्ट के अनुसार अवैध कॉलोनियों के खिलाफ नगर परिषद एवं राजस्व विभाग को अनिवार्य रूप से कार्यवाही समय सीमा में करना होगी। थाने में शिकायत मिलने पर एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य होगा। अगर पुलिस अधिकारी इस समय सीमा का पालन नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी, ताकि दोषियों को बचने का कोई मौका न मिले।

कॉलोनी में कॉलोनाइजर को सड़क, बिजली, पानी, स्ट्रीट लाइन, सीवेज, ड्रेनेज सिस्टम सहित सुरक्षा के इंतजाम करना होते हैं। इन सभी की पूर्ति होने के बाद नगरपालिका कॉलोनाइजर को अनुमति देती है। जिसे बोलचाल की भाषा में वैद्य कॉलोनी कहा जाता है। वहीं इन सभी की पूर्ति न करने वाली कॉलोनियों को अवैध कॉलोनी कहा जाता है। मध्य प्रदेश में अवैध कॉलोनियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार अब सख्त कदम उठाने जा रही है।

अफसरों पर होगी कार्रवाई

नए ड्रॉफ्ट के अनुसार अगर शहर में अवैध कॉलोनी काटी जाती है और प्रशासन कार्यवाही नही करता है तो न केवल राजस्व विभाग जिला प्रशासन और नगर परिषद के अधिकारियों पर भी कार्रवाई का प्रावधान है। यदि अधिकारी शिकायत मिलने के बावजूद उचित कदम नहीं उठाते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें दोषी पाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक साल की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। इस कदम से अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ेगी और अवैध कॉलोनियों पर अंकुश लगाने में सुधार होगा।

प्रचार प्रसार करने वाले और कमीशन पर प्लाट बेचने बालों पर भी शिकंजा

अब तक अवैध कॉलोनियों के मामलों में किसान और खरीदार ही नामित होते थे, जिससे कॉलोनाइजर कानूनी कार्रवाई से बच जाते थे। लेकिन नए ड्राफ्ट में प्रचार प्रसार करने वालों और कमीशन पर प्लाट बेचने वाले को भी आरोपी बनाया जाएगा, जिससे अवैध कॉलोनाइजरों पर कानूनी शिकंजा कसा जा सकेगा। मौजूदा कानून के तहत अवैध कॉलोनियों के मामलों में तीन से सात साल की सजा और दस लाख रुपये का जुर्माना है। सरकार अब इस सजा और जुर्माने को बढ़ाने पर विचार कर रही है।

इनका कहना है

मैने अभी अभी लटेरी का प्रभार लिया है, यहां पर जितनी भी अवैध कॉलोनी काटी जा रहीं हैं। पटवारियों को भेजकर जांच करवाता हूं, जांच के बाद कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

–विनीत तिवारी
एसडीएम लटेरी

मेट्रो एंकर क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा के अथक प्रयासों से स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में मिल रही कामयाबी

जिले में आदर्श स्थापित कर रहा है नगर का रावजी पथ स्थित उत्कृष्ट कन्या विद्यालय

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विधायक उमाकांत शर्मा की प्रेरणा एवं विद्यालय के प्राचार्य के प्रयासों से शहर के रावजी पथ स्थित वर्षों पुराने शासकीय विद्यालय की तस्वीर अब बीते समय के मुकाबले बेहतर नजर आने लगी है। ओर यह सब संभव हो रहा है विद्यालय के शिक्षकों तथा यहां अध्ययन करने वाली छात्राओं सामूहिक सकारात्मक प्रयासों से जो शाला के प्राचार्य मनोज शर्मा के मार्गदर्शन में शिक्षा के साथ साथ अनुशासन, स्वच्छता, कलात्मकता तथा बौद्धिकता के गुणों में निपुण हो रही हैं। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शाला प्रबंधन द्वारा किए जा रहे गुणात्मक कार्यों एवं नवाचार के आधार पर अब यह सरकारी विद्यालय भी प्रायवेट विद्यालयों से प्रतिस्पर्धा करता नजर आने लगा हैं। विद्यालय में होने वाले नवाचारों में छात्राओं को गणवेश में प्रवेश के साथ समय पर कतारबद्ध होकर संगीतमय प्रार्थना के माध्यम से अनुशासित रूप सीखना यहां का प्रथम प्रयास है। इसके अलावा प्रबंधन की प्रेरणा और मार्गदर्शन में छात्राओं ने अपने क्लासरूमो में महापुरुषों के प्रेरणादायी चित्र, रंगोली, पेंटिंग के माध्यम से सुंदर स्वच्छ बनाने के रचनात्मक प्रयास भी दिखाई देने लगे हैं।

इसके अलावा विद्यालय प्रबंधन ने नित्य होने वाली प्रार्थना के दौरान सप्ताह में एक बार सामाजिक एवं समाज जागरण के प्रकल्पों के माध्यम से प्रेरणादायक कार्य करने वाले समाजसेवियों व उनके कार्यों से छात्राओं को रूबरू कराने का भी कार्यक्रम प्रारंभ करने के साथ अध्ययनरत छात्राओं में से उनके प्रतिदिन के जन्मदिवस को मनाने का कार्य भी प्रारंभ किया है। इसी श्रृंखला में मंगलवार को विद्यालय प्रबंधन ने मुक्तिधाम परिसर के जीर्णोद्वार में लगे सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व पार्षद सचिन शर्मा तथा कला के क्षेत्र के उभरते हुए कलाकार हर्ष नेमा को आमंत्रित किया था। नगर के उभरते कलाकार हर्ष नेमा ने अपनी संगीत कला का प्रदर्शन छात्राओं के समक्ष करते हुए बांसुरी का वादन किया। अंत में छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए पार्षद सचिन शर्मा ने कहा कि जीवन में सांगीकता का बड़ा महत्व है आप सभी छात्राओं ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में इस विद्यालय की तकदीर और तस्वीर बदलकर जिले ओर प्रदेशभर के लिए आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह व्यवस्था ऐसे ही सुचारू रूप से संपादित होने रहने के लिए अनुशासन और दृढ़ इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विधायक उमाकांत शर्मा की मंशानुसार विद्यालय का जैसा स्वरूप और छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उड़ान लिए जाने का जो स्वरूप संजोया था उसे शाला के प्राचार्य मनोज शर्मा ने साकार करके दिखाया है उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में शाला परिसर में इससे भी बढ़िया प्रगति करने के साथ शिक्षा के क्षेत्र में आप सभी इस विद्यालय ओर परिवार का नाम रोशन करेंगी। इस अवसर पर शाला के प्राचार्य मनोज शर्मा ने अतिथियों का शाल श्रीफल एवं केसरिया पटका पहनाकर सम्मान भी किया।

पुरातत्व विभाग ने जीर्णशीर्ण भवन की कराई मरम्मत

नगर की प्राचीन समय की धरोहरों में शुमार रावजी की हवेली में वर्षों से कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संचालित किया जाता हैं। शाला के भवन में क्लास रूम की कमी को दूर करते हुए पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा ने वर्षो पहले इस विद्यालय के उन्नयन को लेकर काफी प्रयास किए। उन्होंने ही पुरातत्व विभाग के माध्यम्बसे जीर्णशीर्ण हो रही हवेली की मरम्मत कार्य कराकर जीवंतता प्रदान करने का काम किया था। उनके मार्गदर्शन में ही छात्राओं के अध्ययन कार्य हेतु शिक्षा विभाग के माध्यम से नवीन भवन बनकर तैयार हुए था। वर्तमान में विद्यालय उमाकांत शर्मा ने इस विद्यालय के स्वरूप को बदलने के साथ छात्राओं के लिए सुरक्षित माहौल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के निर्देश प्राचार्य मनोज शर्मा को प्रदान किए थे। उसी अनुरूप यह सकारात्म प्रयास विद्यालय में सार्थक होते दिख रहे हैं।

चुनौती 'गंभीर' है... टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा

न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू जमीन पर 0-3 से टेस्ट सीरीज हारने के बाद टीम इंडिया का अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है।हालांकि टीम इंडिया की एक अलग युनिट ने साऊथ अफ्रीका में टी20 में धमाल किया है, लेकिन उसके खिलाड़ी और कोच का ऑस्ट्रेलिया दौरे से कोई वास्ता नही है। दरअसल टीम इंडिया के इस फॉर्मेट में से कोई भी सदस्य ऑस्ट्रेलिया दौरे की टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं है।इसी वजह से अफ्रीका की जीत का ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोई मनोवैज्ञानिक लाभ नहीं माना जा सकता है।टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।जिसका पहला मुकाबला शुक्रवार से पर्थ में शुरू होगा।वैसे तो पूरी टेस्ट सीरीज ही टीम इंडिया के लिए गंभीर चुनौती रहेगी,लेकिन पर्थ का मुकाबला भारतीय टीम के लिए आसान नहीं होने वाला है, क्योंकि इस मैदान पर घरेलू टीम की जीत का शत प्रतिशत रिकॉर्ड है। टेस्ट मैचों के नियमित कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी के साथ शुभमन गिल और शमी की चोटें टीम इंडिया के लिए परेशानी का सबब कही जा सकती हैं।वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के नजरिये से गंभीर सेना का यह दौरा बेहद अहम है।दरअसल बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतकर टीम इंडिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की अपनी उम्मीदों को बढ़ा दिया था,लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ अतिआत्मविश्वास से मिली हार के बाद समीकरण पूरी तरह से बदल गया है।अगर हम इतिहास के नजरिये से बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज की करें तो टीम इंडिया का पलड़ा बेहद मजबूत नजर आता है। 1996 से दो दिग्गज खिला?ियों के नाम से शुरू हुई टेस्ट सीरीज में 10 बार टीम इंडिया ने बाजी मारी है,जबकि ऑस्ट्रेलिया के नाम 5 सीरीज की जीत दर्ज हैं।पिछले 27 साल के इतिहास में मात्र 1 सीरीज का ड्रा होना जाहिर तौर दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज का रोमांच बयां करता है। ऑस्ट्रेलिया का मजबूत पक्ष उसकी घरेलू मैदान पर मिली 4 जीत समझी जा सकती हैं, वहीं टीम इंडिया की दावेदारी की वजह उसकी पिछली 4 टेस्ट सीरीजों की फतह कही जा सकती है। टीम इंडिया ने जिस अंदाज में ऑस्ट्रेलिया को उसके घरेलू मैदानों में युवाओं के दम पर पिछली 2 टेस्ट सीरीजों में शिकस्त दी है, सही मायने में मात्र वही उसके मनोबल को ताकतवर बनाता है। भले ही इतिहास क्रिकेट के अगर मगर के गणित में सहायक कहा जा सकता है, लेकिन जीत के लिए मैदान में बाजी मारने के लिए टीम को मौजूदा हालात को काबु में रख कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है। हालांकि टीम इंडिया बीते दो बार ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर पर हराने में सफल रही है,लेकिन यह दौरा टीम के लिए कई वजहों से चुनौतीपूर्ण कहा जा सकता है। एक ओर जहां इस टीम में टेस्ट फॉर्मेट के स्पेशलिस्ट (द्रविड़, लक्ष्मण, पुजारा, हनुमा बिहारी, रहाणे) जैसे बल्लेबाजों की कमी नजर आती है, वहीं गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद मौजूदा खिलाड़ियों के टेस्ट खेलने का अंदाज भी टीम इंडिया को परेशानी में डाल सकता है। मेरे नजरिये में ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम इंडिया के खिलाड़ियों का टेस्ट मैच के फॉर्मेट को खेलने का अंदाज ही निर्णायक साबित होगा,अगर टीम इंडिया को एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया फतह करनी है तो उसके खिलाड़ियों को टेस्ट फॉर्मेट की मूल प्रवृत्ति को अपनाना पडेगा। दरअसल टेस्ट मैचों में बल्लेबाजों को विकेट पर टिककर पहले गेंदबाजों को थकाने के बाद रन बनाए जाते हैं,जिससे टीम इंडिया हाल फिलहाल में कोसों दूर नजर आ रही है। वैसे तो टीम इंडिया का यह ऑस्ट्रेलिया दौरा कई खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम रहने वाला है,लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि यह दौरा युवाओं की टेस्ट दम और टीम के हेड कोच के लिए गंभीर चुनौती वाला भी रहने वाला है। भारत अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत जाता तो ऑस्ट्रेलियाई धरती पर दो जीत से उसका काम चल जाता, लेकिन कीवी टीम को हल्के में लेना फिलहाल उसको भारी पड़ता नजर आ रहा है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

अब तक अहमदाबाद-मुंबई को प्रमुख विकल्पों के रूप में देखा जा रहा था

नई दिल्ली और आगरा में हो सकता है ओलंपिक-2036

नईदिल्ली. एजेंसी

भारत के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक 2036 की मेजबानी के दावे के बाद अब इसके आयोजन को लेकर चर्चा होने लगी है। कहा जा रहा है कि दिल्ली-एनसीआर व ताजनगरी आगरा ओलंपिक स्थल के विकल्प हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) भारत की दावेदारी पर विचार करती है तो अगला कदम मेजबान शहर की पहचान करना होगा। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर और आगरा पर विचार किया जा सकता है। अब तक अहमदाबाद व मुंबई को प्रमुख विकल्पों के रूप में देखा जा रहा था। अहमदाबाद को 1.32 लाख दर्शकों की क्षमता वाले नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम व मुंबई को देश की वित्तीय राजधानी होने के कारण ओलंपिक का दावेदार माना जा रहा था। इस मुद्दे पर अगले साल प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

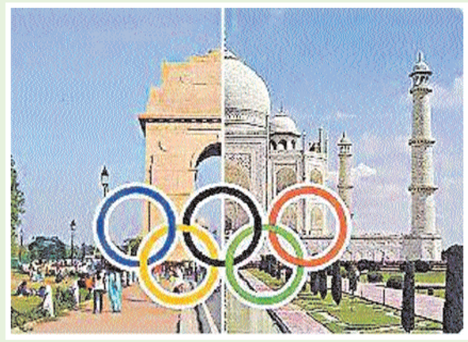

पर्यटन का रखा जाता है विशेष ध्यान

ओलंपिक आयोजन से जुड़े लोगों ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के चयन के दौरान पर्यटन को केंद्र में रखा जाता है। लंदन ओलंपिक-2012 के लिए टेम्स नदी और टावर ब्रिज केंद्र में रखे गए। इसी तरह रियो-2016 में क्राइस्ट द रिडीमर की मूर्ति और फ्रांस में एफिल टावर को प्रमुखता दी गई। इसे देखते हुए भारत में ताजमहल सर्वाधिक प्रतिष्ठित स्थल है। सरकार ताजमहल को ओलंपिक के प्रतीक के रूप में उपयोग कर सकती है।

...तो इसलिए मजबूत दावेदारी

- दिल्ली देश की राजधानी है। प्रमुख पर्यटन स्थलों का प्रवेश द्वार है।
- दिल्ली-एनसीआर और आगरा के आसपास कनेक्टिविटी तेजी से बढ़ रही है। चार हवाई अड्डे हैं। इससे पर्यटकों को सुविधा होगी।
- भविष्य में नए निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध है।
- ताजमहल दुनिया के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

मेट्रो बाजार

रिपोर्ट: निवेशकों को शेयर बाजार में घाटे के बाद बैंकों में बढ़ा जमा

15 दिन में बैंक डिपॉजिट 2.35 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

युवा हर माह कमाई का 20% से अधिक करते हैं बचत

मुंबई. एजेंसी

अधिक रिटर्न पाने के लिए 18 से 35 साल के अधिकतर भारतीय युवा म्यूचुअल फंड्स के जरिए शेयर बाजार में निवेश करने के बजाय डायरेक्ट स्टॉक्स में निवेश पसंद करते हैं। फिनवन सर्वे के मुताबिक, 81 फीसदी मिलेनियल्स-जेन जेड अपनी मासिक आय का कम से कम 20 फीसदी बचत करते हैं। इनमें 45 फीसदी डायरेक्ट स्टॉक्स तो 20 फीसदी म्यूचुअल फंड्स के जरिए इक्विटी में निवेश करते हैं। सर्वे से मुताबिक, महंगाई के कारण रोजमर्रा का खर्च बढ़ने से निवेश करने में मुश्किल हो रही है। हालांकि शेयर बाजार में आई हालिया गिरावट के कारण निवेशक अब बैंकों में अधिक पैसा जमा कर रहे हैं। आरबीआई की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, घरेलू शेयर बाजार में पिछले 50 दिन से जारी तेज गिरावट के बीच निवेशकों ने अब बैंकों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। आरबीआइ के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में जब बाजार ऑल-टाइम हाई पर था तब बैंकों में जमा घटकर 215.05 लाख करोड़ रुपए रह गया था। लेकिन अक्टूबर में सेंसेक्स 6 फीसदी टूट गया और निवेशकों को भारी नुकसान हुआ, जिससे निवेशकों ने बैंक में डिपॉजिट बढ़ाया और 18 अक्टूबर को कुल जमा बढ़कर 218 लाख करोड़ रुपए हो गया। एक नवंबर को समाप्त पखवाड़े में बैंकों के जमा में 2.35 लाख करोड़ बढ़ा।

सरकार ने जारी की नई गाइडलाइंस, सरकारी कंपनियों को मुनाफे का 30% लाभांश देना होगा

नई दिल्ली. एजेंसी

केंद्र सरकार ने सरकारी कंपनियों (सीपीएसई) के लिए डिविडेंड पेमेंट, शेयरों के बायबैक, बोनस शेयर जारी करने, शेयरों के स्प्लिट करने को लेकर नियमों में बदलाव किए हैं। दीपम की ओर से जारी नई गाइडलाइंस के मुताबिक, सीपीएसई को सालाना अपने नेट प्रॉफिट का न्यूनतम 30 फीसदी या नेटवर्थ का 4 फीसदी (इनमें जो भी ज्यादा हो) डिविडेंड के रूप में केंद्र सरकार और कंपनी के शेयरधारकों को देना होगा। नई गाइडलाइंस वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लागू होगी। यह कदम पिछले कुछ वर्षों में सरकारी कंपनियों की मजबूत बैलेंस शीट और बेहतर मार्केट कैपिटलाइजेशन को देखते हुए उठाया गया है, ताकि सरकार के साथ आम शेयरधारकों को ज्यादा से ज्यादा रिटर्न (डिविडेंड) मिल सके। नए नियमों के मुताबिक, एनबीएफसी सहित फाइनेंशियल सेक्टर के सीपीएसई को भी अपने मुनाफे का कम से कम 30 फीसदी लाभांश देना होगा। साथ ही अनलिस्टेड सीपीएसई साल में एक बार लाभांश का भुगतान कर सकते हैं।

बिली जीन किंग कप: इटली की टीम फाइनल में

इगा स्विटेक पोलैंड को नहीं दिला सकीं जीत, इटली ने पोलैंड को 2-1 से हरा दिया

मलागा. एजेंसी

इटली ने पोलैंड को 2-1 से हराकर लगातार दूसरे साल बिली जीन किंग कप टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया। पिछले साल कनाडा ने फाइनल में इटली को हराकर खिताब जीता था। यहां सेमीफाइनल में लुसिया ब्रोंजेटी ने पोलैंड की माग्दा लिनेट को 6-4, 7-6 से हराया। लेकिन फिर विश्व नंबर दो खिलाड़ी इगा स्विटेक ने जेस्मीन पाउलिनी को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

युगल मैच हारीं स्विटेक

कावा-युगल मैच में पाउलिनी ने सारा ऐरानी के साथ खेलते हुए स्विटेक और कतार्जिना कावा पर 7-5, 7-5 से जीत दर्ज कर टीम को फाइनल में पहुंचा दिया। जहां इटली का सामना ब्रिटेन व स्लोवाकिया के बीच जारी दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

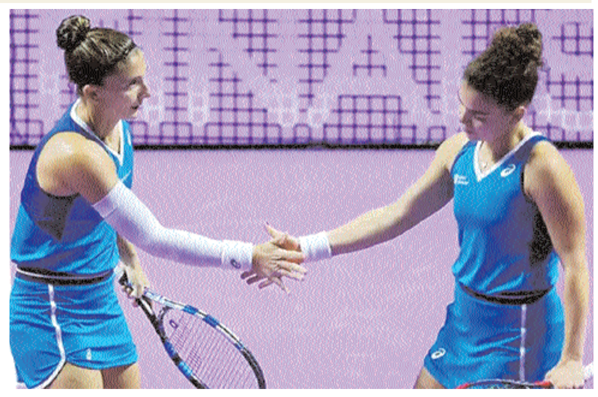

ऋचा घोष की वापसी शेफाली वर्मा बाहर

महिला क्रिकेट: ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

मुंबई. एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच दिसंबर से ब्रिस्बेन में शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 16 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। भारतीय टीम में ऋचा घोष की वापसी हुई है, जबकि शेफाली वर्मा को बाहर रखा गया है। शेफाली खराब फॉर्म से जूझ रही हैं। उन्होंने इस साल खेले छह वनडे मैचों में सिर्फ 108 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 33 रन रहा है। वहीं शेफाली के अलावा आशा शोभना, पूजा वस्त्राकर, श्रेयंका पाटिल, दयालन हेमलता, सयाली सतघरे और उमा छेत्री को भी टीम में जगह नहीं मिली हैं। वहीं साइमा ठाकोर व तेजल हसबनिस को टीम में बरकरार रखा गया है। प्रिया पुनिया व हरलीन देओल को भी 16 सदस्यीय टीम में जगह दी गई।

आखिरी क्वार्टर में दो गोल कर भारत फाइनल में, अब चीन से टक्कर

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी: सेमीफाइनल में जापान को 2-0 से हरा दिया

राजगीर (बिहार). एजेंसी

पहले तीन क्वार्टर में दर्जन भर से अधिक पेनल्टी कॉर्नर गंवाने के बाद भारत ने आखिरी क्वार्टर में दो गोल करते हुए जापान को 2-0 से हराकर महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका सामना चीन से होगा। मेजबान भारत ने दो दिन में दूसरी बार जापान को शिकस्त दी। वहीं चीन ने मलेशिया को हराया।

नवनीत कौर ने 48वें मिनट में खोला खाता: पहले तीन क्वार्टर गोलरहित रहने के बाद 48वें मिनट में नवनीत कौर ने पेनल्टी स्ट्रोक पर भारत का खाता खोला, जबकि 56वें मिनट में लालरेम्सियामी ने सुनेलिटा टोप्पो के बेहतरीन पास पर दूसरा गोल किया। भारतीय टीम 48वें मिनट तक गोल के लिए तरसती रही। भारत को पूरे मैच में 16 पेनल्टी कॉर्नर मिले,लेकिन एक पर भी गोल नहीं हो सका।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

तारा सिंह नहीं सकीना करती विलेन का खत्मा अमीषा बोलीं- आखिरी वक्त में बदला क्लाइमैक्स

फिल्म 'गदर 2' 2023 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सनी देओल और अमीषा पटेल की जोड़ी नजर आई थी। फिल्म का डायरेक्शन अनिल शर्मा ने किया था। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने 'गदर 2' के क्लाइमैक्स को लेकर नया खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि फिल्म के क्लाइमैक्स में उनका मुख्य रोल था, लेकिन आखिरी वक्त में उन्हें बिना बताए बदलाव कर दिया गया। 2023 में रिलीज हुई थी गदर-2 बता दें, 'गदर 2' 11 अगस्त 2023 को रिलीज हुई थी। यह साल 2001 में आई फिल्म 'गदर- एक प्रेम कथा' का सीक्वल थी।

फैन ने पूछा था सवाल...

दरअसल, एक फैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूट्यूब का लिंक शेयर किया और लिखा, क्या यह सच है कि गदर 2 में सकीना का किरदार विलेन को मारने वाला था? इस पर अमीषा ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कहा, हां, निर्देशक अनिल जी ने मुझसे कहा था कि क्लाइमैक्स में सकीना विलेन को मारेगी। लेकिन क्लाइमैक्स मेरी जानकारी के बिना बदल दिया गया। अमीषा ने आगे लिखा, 'हालांकि, अब जो हुआ सो हुआ। अनिल जी मेरे परिवार जैसे हैं, और मुझे यकीन है कि उन्हें भी इसका अफसोस होगा। 'गदर 2' ने तो पहले ही इतिहास रच दिया है। अब आगे बढ़ने का वक्त है।' बता दें कि, इससे पहले हिंदुस्तान टाइम्स को दिए गए इंटरव्यू में अमीषा पटेल ने कहा था, 'शूटिंग के दौरान ज्यादातर समय मैं अनिल शर्मा से बात नहीं करती थी। मुझे जो कुछ भी बताना होता था, वो मुझे उनके असिस्टेंट डायरेक्टर के माध्यम से ही बताया जाता था। हमारे बीच क्रिएटिव डिफरेंस होते थे और यह सिलसिला चलता रहा। हम लड़ते थे और फिर सुलह कर लेते थे।

'वॉर 2' की शूटिंग के लिए फिर मुंबई पहुंचे जूनियर एनटीआर

'वॉर 2' 2025 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म अपने एलान के बाद से ही काफी सुर्खियां बटोर रही है। फिल्म को लेकर नई-नई जानकारियां सामने आती रहती हैं। इसके साथ ही फिल्म की शूटिंग की भी झलकियां सोशल मीडिया पर वायरल होती है, जिसे देख फैंस काफी खुश हो जाते हैं। वहीं, अब फिल्म की शूटिंग को लेकर एक बार फिर दिलचस्प जानकारी सामने आई है, जो इसके क्लाइमेक्स से जुड़ी हुई है। अपनी अखिल भारतीय फिल्म वॉर 2 के लिए मशहूर जूनियर एनटीआर को हाल ही में हैदराबाद हवाई अड्डे पर देखा गया, जहां कथित तौर पर वे वॉर 2 की शूटिंग के लिए मुंबई जा रहे थे। अभिनेता के जाने का एक वीडियो वायरल हो गया है, जिससे उनके बॉलीवुड डेब्यू के लिए प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया है। अभिनेता ने इस साल की शुरुआत में वॉर 2 की शूटिंग शुरू की थी। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित यह सीक्वल यशराज फिल्म्स की बढ़ती स्पाई यूनिवर्स में एक महत्वपूर्ण विस्तार है।

• नहीं है करियर के पीक पर इंडस्ट्री छोड़ने का पछतावा

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित बोलीं- किसी फैसले पर कभी अफसोस नहीं किया

हाल ही में माधुरी दीक्षित फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आई हैं। एक्ट्रेस इन दिनों फिल्म की सक्सेस को एंजॉय कर रही हैं। इसी बीच उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने पुराने दिनों को याद किया। इस दौरान माधुरी ने इंडस्ट्री छोड़ने और पति के साथ यूएस जाने के बारे में भी खुलकर बातचीत की। माधुरी ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में की हैं। जब एक्ट्रेस का करियर पीक पर था तब उन्होंने शादी कर ली थी। माधुरी दीक्षित ने साल 1999 में डॉ. श्रीराम नेने से शादी की थी। और शादी के बाद बॉलीवुड इंडस्ट्री को पूरी तरह से छोड़ दिया था।

मैं सभी फैसलों से खुश हूं

माधुरी ने कहा कि मैं डॉ. श्रीराम नेने से शादी करने और विदेश जाने के फैसले से बहुत खुश थीं। मैं जो करती हूं उससे मुझे खुशी मिलती है। मुझे अपने किसी भी फैसले पर कभी भी अफसोस नहीं होता। मुझे एक्टिंग, डांस और मेरे काम से जुड़ी हर चीज पसंद है। और बाकी अगर लोग आपको स्टार मानते हैं तो वो सब बोनस है। मैंने ऐसा कभी नहीं सोचा कि हे भगवान, मैं लोगों की नजरों से दूर जा रही हूं। मैं करियर के पीक पर शादी कर रही हूं।

मेरी शादी हो और बच्चे हो ये सपना था

माधुरी ने कहा- मुझे लगा कि मैं जिस व्यक्ति से मिली हूं वो ही मेरे लिए सही है। यह वह आदमी है जिससे मैं शादी करना चाहती हूं क्योंकि हर कोई सपने देखता है। मैंने भी एक घर, एक पति, एक परिवार और बच्चों के सपने देखे थे। मुझे बच्चे पसंद हैं। इसलिए, बच्चे पैदा करना उस सपने का बड़ा हिस्सा था।

सीएम ने कहा- कोई गलती भी हुई तो सभी तथ्य सामने आएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बीती रात अपने मंत्रियों संग साबरमती रिपोर्ट फिल्म देखी और कहा कि 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म अतीत के काले सच को सामने लाई है। यह 59 कारसेवकों को सच्ची श्रद्धांजलि है। काल के प्रवाह में कोई गलती हुई है तो उसके सभी तथ्य सामने आने चाहिए। यह फिल्म उन पर बनी है, जिन्होंने अपने जीवन में कभी कुछ गलत नहीं किया, पर उनके साथ गलत हुआ। इतना ही नहीं, उसके बाद भी गलत भावना रखी गई। फिल्म इसका प्रतिकार और परिमार्जन भी है। सीएम ने ओपन थियेटर में मंत्रियों और कुछ विधायकों के साथ फिल्म देखी। उन्होंने कहा कि मैंने मूवी देखने का निर्णय लिया लेकिन इसके पहले प्रदेश में इसे टैक्स फ्री भी किया। हमारी सरकार ने फिल्म टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई काम किए हैं।

वहीं इस फिल्म के अभिनेता विक्रांत मैसी ने कहा कि मप्र नदियों का मायका है। यहां कई ऐसे स्थल और धरोहरें हैं जो फिल्मी दुनिया के लिए डेस्टिनेशन बन सकती हैं। 22 साल पहले जो दुर्घटना हुई थी, उस पर सिनेमा के माध्यम से आज तक किसी ने बात नहीं की थी। 59 लोगों के साथ जो हुआ था, उसे सामने लाना जरूरी था। यहां एक्ट्रेस राशि खन्ना और निर्माता अंशुल मोहन भी उपस्थित थे। इसके कुछ देर पहले अभिनेता विक्रांत मैसी और अभिनेत्री राशि खन्ना ने सीएम हाउस पहुंचकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री यादव ने मंत्रियों के साथ देखी साबरमती रिपोर्ट

'साबरमती रिपोर्ट' से कांग्रेस को बड़ी तकलीफ: वीडी

गोधरा कांड पर बेस्ड फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की जहां भाजपा की तरफ से प्रशंसा हो रही है। वहीं कांग्रेस के विचार भिन्न हैं। इस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म देख रहे हैं, तो इससे कांग्रेस पार्टी और उसके प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को तकलीफ क्यों हो रही है? शर्मा ने कहा कि असल में कांग्रेस पार्टी को 'द साबरमती रिपोर्ट' में दिखाए गए गुजरात दंगों के उस सच से तकलीफ है, जिसे आज तक देश की जनता से छिपाकर रखा गया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में बताया गया है कि राजनीतिक लाभ के लिए किस तरह कांग्रेस पार्टी और उसके गुंडों ने षड्यंत्र रचा और पूरे गुजरात को दंगों की आग में झोंक दिया। शर्मा ने कहा कि सरकार लगातार किसानों के हित में निर्णय ले रही है और उनकी बेहतरी के लिए कदम उठा रही है।

शादी में गया परिवार 54 हजार की नगदी समेत जेवरात हुए पार

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कोकता नंबर-1 में ठेकेदार के सूने मकान से बदमाशों ने की वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कोकता नंबर-1 अनंतपुरा में ठेकेदार के सूने मकान से अज्ञात बदमाश 54 हजार रुपए की नगदी समेत सोने चांदी के जेवरात चुराकर ले गए। चोरी गए जेवरातों के बिल परिवार ने अभी पुलिस को सौंपे नहीं है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कोकता नंबर-1, अनंतपुरा निवासी जुगल किशोर अहिरवार पेशे से ठेकेदार हैं। उनकी पत्नी घर पर ही ब्यूटी पार्लर का संचालन करती है। जुगल किशोर ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उनका ससुराल हथाईखेड़ा में है। ससुराल में अगामी 24 नवंबर को शादी है। शादी की तैयारियां चलने के कारण वह परिवार के साथ हथाईखेड़ा गए थे। वहां से बुधवार सुबह ही लौटे तो घर के मुख्य गेट का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि बदमाशों ने अलमारी का लॉकर तोड़कर, नगदी समेत पुराने इस्तेमाली जेवरात चुरा लिए।

कार में शराब की तस्करी छह पेटी देशी मदिरा जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कटारा हिल्स पुलिस ने मंगलवार रात वाहन चेकिंग के दौरान एक स्विफ्ट कार रोककर उसमें रखी छह पेटी अवैध देशी शराब जब्त की। कार समेत जब्त शराब की कीमत तीन लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। आरोपी से शराब के बारे में पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी बिजेंद्र निगम ने बताया कि मंगलवार देर रात रापड़िया जोड़ के पास वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। रात करीब दस बजे सफेद रंग की एक स्विफ्ट कार को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। कार चला रहे युवक ने कार को आगे-पीछे करते हुए भागने की कोशिश की।

संदेह होने पर पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर कार को रोक ली। कार चला रहे युवक की पहचान राहुल पटेल पिता नेपाल सिंह (30) निवासी पिपरिया जिला नर्मदापुरम, हाल पता किराए का मकान पवित्रा परिसर, कटारा हिल्स बताया। कार की तलाशी में डिग्गी में रखी 6 पेटी देशी अवैध शराब रखी मिली।

पुल पातरा और आउटर पर ट्रेन के रुकने के दौरान वारदात, जीआरपी ने दर्ज की एफआईआर

मालवा समेत समता एक्सप्रेस में गेट पर खड़े यात्रियों से मोबाइल छीना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में चोरी और लूट की वारदात लगातार बढ़ रही हैं। बदमाशों ने क्रमशः समता एक्सप्रेस और मालवा एक्सप्रेस में दो यात्रियों के साथ मोबाइल झपटने की वारदात की। दोनों ही वारदात कोच के गेट पर खड़े यात्रियों के साथ हुई। जीआरपी भोपाल ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

जीआरपी के अनुसार ग्राम दुपाड़ा जिला शाजापुर निवासी अमन शर्मा विगत 19 नवंबर को मालवा एक्सप्रेस के स्लीपर से लगे जनरल कोच में उज्जैन से भोपाल की यात्रा कर रहे थे। भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचने से पूर्व ट्रेन आउटर के बाद झुग्गियों के पास खड़ी हुई। ट्रेन में भीड़ अधिक होने के कारण अमन शर्मा गेट पर आकर खड़े हो गए।

इस दौरान उनके हाथ में मोबाइल था। ट्रेन स्टार्ट हुई और थोड़ी ही आगे धीमी रफ्तार में पहुंची थी, तभी नीचे खड़े किसी अज्ञात बदमाश ने उनके हाथ पर झपट्टा मारा। हाथ पर झपट्टा लगने से मोबाइल नीचे गिर गया और बदमाश मोबाइल उठाकर भाग निकला। जीआरपी थाना भोपाल ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की खोजबीन शुरू कर दी है।

गेट पर खड़े यात्री से मोबाइल झपटा

भोपाल। जीआरपी ने बताया कि गत 8 नवंबर को समता एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच में विजय कुमार भोपाल से मुलताई की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान कुछ देर के लिए वह ट्रेन के गेट पर आकर खड़े हो गए। उसी दौरान जैसे ही ट्रेन भोपाल के पुल पातरा इलाके में पहुंची, किसी अज्ञात बदमाश ने झपट्टा मारकर मोबाइल छीन लिया। फरियादी जीआरपी थाना भोपाल में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है।

निशातपुरा में महिला का पर्स चुराकर ले गए बदमाश

भोपाल। जीआरपी ने बताया कि मूलरूप से जिला प्रतापगढ़ यूपी निवासी संगीता गुप्ता पत्नी उमाशंकर गुप्ता (52) विगत 14 अक्टूबर को पटना स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन से उज्जैन से प्रयागराज की यात्रा कर रही थीं।

यात्रा के दौरान रेलवे स्टेशन निशातपुरा पर संगीता का एक लेडीज पर्स किसी अज्ञात बदमाश ने चुरा लिया। उन्होंने अपना पर्स सिरहाने रखा था। पर्स में तीन हजार रुपए नगद व मोबाइल फोन समेत हजारों का माल रखा था। फरियादिया ने जीआरपी थाना प्रयागराज में शून्य पर प्रकरण दर्ज कराया था। वहां से डायरी भोपाल भेजी गई है। फिलहाल सभी मामलों में प्रकरण कायम कर जीआरपी ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले में आरोपियों की धरपकड़ जल्द कर ली जाएगी।

एक्टिवा से डेढ़ किलो गांजा किया बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अयोध्या नगर पुलिस ने मंगलवार रात मिनाल गेट के पास से एक्टिवा सवार को रोककर उससे डेड़ किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे और स्कूटर की कुल कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए है।

थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि मंगलवार रात सूचना मिली कि मिनाल गेट नंबर 5 के पास स्कूटर सवार एक युवक गांजा बेचने की फिराक में घूम रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदेही युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने अपना नाम विशाल चौहान (22) निवासी राजीव नगर, ख्वाजा कालोनी, पिपलानी बताया। उसकी स्कूटर की तलाशी लेने पर डेढ़ किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसे स्कूटर समेत जब्त कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। टीआई लिल्हारे ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व से चोरी, मारपीट, अड़ीबाजी और आर्म्स एक्ट समेत आधा दर्जन से ज्यादा अपराध दर्ज हैं।

शोरूम के सामने खड़ी स्कूटर चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में वाहन चोरों के हौंसले बुलंद हैं। वाहन चोर गिरोह आए दिन कहीं न कहीं पर अपना काम कर बड़ी आसानी से गायब हो जाते हैं। ऐसा ही एक मामला ऐशबाग स्थित बाइक शोरूम के सामने खड़ी स्कूटर चोरी चली गई। पुलिस के मुताबिक गुरुविंदर सिंह कपूर पदम्मनाभ नगर स्थित एक बाइक शोरूम पर काम करते हैं।

बीती सोलह नवंबर की शाम को उन्होंने अपनी स्कूटर शोरूम के सामने खड़ी की और अंदर चले गए। करीब दस मिनट बाद बाहर निकले तो उनकी स्कूटर गायब हो चुकी थी। आसपास तलाश करने पर भी स्कूटर का कुछ पता नहीं चला। बाद में वह काम से बाहर चले गए थे। मंगलवार को थाने जाकर स्कूटर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी प्रकार पिपलानी स्थित बी-सेक्टर इंद्रपुरी से बलराम यादव की बाइक चोरी चली गई। पुलिस ने दोनों ही मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। वाहन चोर अपना काम करने के लिए कई प्रकार के आधुनिक तकनीकि का भी उपयोग कर रहे हैं।

बाइकर्स ने दो लोगों के गाल पर किया चाकू से हमला हुलिए से तलाश

भोपाल। हनुमानगंज इलाके में बाइक सवार तीन बदमाशों ने दो युवकों के गाल पर अकारण ही चाकू से हमला कर दिया। दोनों ही वारदातों को आधा घंटे के अंतराल में अंजाम दिया गया है। दोनों परियादी बदमाशों को पहले से नहीं जानते हैं और उनका कोई विवाद भी नहीं हुआ था। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चाकूबाजी का मामला दर्ज कर लिया है। हुलिए के आधार पर तीनों की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार अमन पर्ते (24) सोहागपुर होशंगाबाद में रहता है वह नादरा बस स्टैंड स्थित पुराना भोपाल टैवल्स के सामने पहुंचा, तभी बाइक पर सवार तीन लड़के उसके पास पहुंचे। सबसे पीछे बैठा लड़का जैकेट पहने हुए था। उसने चाकू निकालकर अमन के गाल पर मार दिया, जिससे खून बहने लगा। उसके बाद तीनों बदमाश वहां से भाग निकले। इसके आधे घंटे बाद दूसरे युवक पर किया हमला इस घटना के करीब आधे घंटे बाद ही इन्हीं बदमाशों ने दूसरे युवक पर चाकू से हमला कर दिया। फरियादी विजय सावड़े (18) फूटा मकबरा छोला रोड को बाइक सवार तीन बदमाश में से पीछे बैठे जैकेट वाले युवक ने चाकू निकालकर गाल पर मार दिया, जिससे गाल कटकर खून बहने लगा।

शशिकांत से पूछताछ में पुलिस का खुलासा, बिहार में संजय की तलाश

फर्जी कॉल सेंटर संचालित करने वाले जालसाजों ने कुछ खाते हवाला कारोबारियों को भी बेचे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

फर्जी आधार कार्ड बनाने और अकाउंट खोलकर 1800 बैंक अकाउंट बेचने वाले गिरोह के सरगना शशिकांत की रिमांड खत्म होने के बाद उसे कोर्ट में पेश कर दिया गया है। वहां से उसे आरोपी को जेल भेज दिया गया है। रिमांड के दौरान पूछताछ में पता चला कि बेचे गए कुछ खातों का इस्तेमाल हवाला कारोबार में किया गया है।

शशिकांत से पूछताछ में उसने कबूला है कि जो खाते उसने बेचे थे उनमें कुछ खातों का इस्तेमाल हवाला कारोबार में किया गया है। शशिकांत और उसका गिरोह अब तक 1800 से ज्यादा फर्जी अकाउंट बेच चुका है शुरूआत में यह बात सामने आई थी कि बैंक अकाउंट का इस्तेमाल केवल सायबर ठगों द्वारा किया गया है। पुलिस अभी सारे अकाउंट की जानकारी नहीं जुटा सकी है। भोपाल में ही इस गिरोह ने 250 से ज्यादा अकाउंट खुलवाए थे जिसमें 10 लाख से ज्यादा की रकम मिली है। इन सभी अकाउंट को फ्रीज करा दिया गया है।

इंदौर में 700 से ज्यादा फर्जी अकाउंट: मध्य प्रदेश के अलग अलग जिलों में गिरोह ने वारदात की है। इंदौर, देवास, भोपाल, रायसेन, सीहोर जैसे जिलों में जालसाजों ने बैंक की अलग-अलग ब्रांचों में फर्जी खाते खुलवाए। इंदौर में 700 से ज्यादा खातों की जानकारी पुलिस को मिली है। इन सभी अकाउंट की जांच की जा रही है कि इनका कहां कहां वारदात में इस्तेमाल किया गया। प्रदेश के अलावा गिरोह जिलों या महानगरों में वारदात करता था, जहां हिन्दी भाषा बोली जाती है। मध्यप्रदेश के अलावा महाराष्ट्र के मुंबई, गुजरात के अहमदाबाद, उत्तर प्रदेश के लखनऊ में गिरोह अकाउंट खुलवा चुका है।

नहीं हो सकी संजय और पोस्टमैन की गिरफ्तारी

गिरोह से बरामद सभी आधार कार्ड बिहार और झारखंड से आए थे। जिस तरह मध्य प्रदेश में फर्जी कॉल सेंटर शशिकांत का मास्टर माइंड और संचालक शशिकांत था। उसी तरह बिहार में संजय अपना गिरोह अलग से चला रहा था। संजय के तार बिहार के डाकघर में काम करने वाले किसी डाकिए से जुड़े थे। उक्त आधार कार्ड पोस्टमैन की मदद से गिरोह तक पहुंचे थे।

सट्टा लिख रही महिला और पुरुष को पुलिस ने नकद समेत किया गिरफ्तार

भोपाल। शाहजहांनाबाद पुलिस ने सट्टा लिख रही एक महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 8185 रुपये नकद और सट्टा पर्ची जब्त हुई है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार रात करीब सा? दस बजे सूचना मिली कि बाजपेयी नगर मल्टी के पास एक महिला और एक पुरुष सट्टा पर्ची लिख रहे हैं। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने संदेहियों से पूछताछ की तो उन्होंने अपने नाम माया सिंह और महेश धनानी बताए। तलाशी लेने पर दोनों के पास नकद रुपए और सट्टा पर्ची जब्त हुई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।